दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 133 | संभल, शनिवार 25 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

फ्लोर टेस्ट में सम्राट चौधरी की बड़ी जीत, तेजस्वी को दिया करारा जवाब

बिहार। में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया। चौधरी ने एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान यह प्रस्ताव पेश किया कि सदन राज्य की वर्तमान मंत्रिपरिषद पर अपना विश्वास बनाए रखे। 243 सदस्यीय सदन में यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया, जहां भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए के पास 202 सीटों के साथ भारी बहुमत है। सत्ताधारी दल को जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा सहित एनडीए के सहयोगियों का समर्थन प्राप्त हुआ, जिससे विधानसभा में गठबंधन की संख्यात्मक शक्ति स्पष्ट हुई। सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री चौधरी ने तेजस्वी यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला और इस धारणा को खारिज कर दिया कि लोकतंत्र में नेतृत्व वंश या किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा से प्राप्त होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीतिक सत्ता जनता के जनादेश और निरंतर संघर्ष से मिलती है, न कि विरासत या व्यक्तिगत विशेषाधिकार से। अपनी राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा कि वे जनसमर्थन और दृढ़ता के बल पर शीर्ष पद तक पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद का विशेष रूप से जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर की कठिनाइयों और कथित उत्पीड़न ने उनके राजनीतिक मार्ग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पदोन्नति सामूहिक राजनीतिक सहमति और पार्टी की एकता को दशार्ती है, और विशेष रूप से भाजपा की भूमिका को उजागर किया, जिसने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री और अब मुख्यमंत्री के रूप में अवसर प्रदान किए। एक दिवसीय विशेष सत्र में सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। हालांकि, मतगणना की मांग न होने से यह संकेत मिलता है कि विपक्ष ने सदन में सरकार की संख्यात्मक शक्ति को सीधे चुनौती नहीं दी।

पीएम मोदी का ममता पर तंज

बोले- बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है टीएमसी का दीया

टीएमसी एक महिला-विरोधी पार्टी है: मोदी

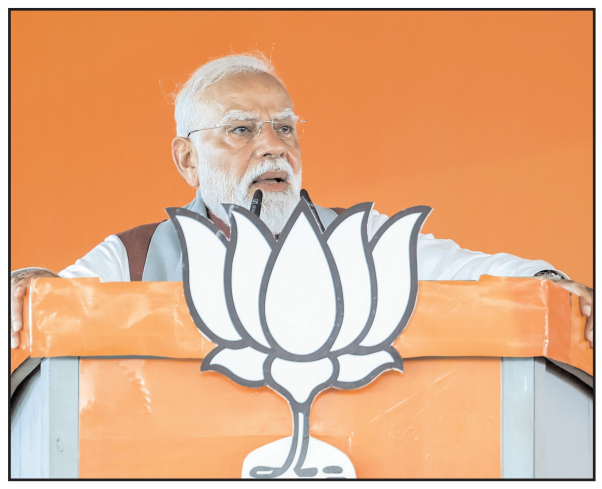

पश्चिम बंगाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महा जंगल राज के अंत की शुरूआत बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि 4 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार बनेगी। उन्होंने महिला मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया और टीएमसी को महिला-विरोधी पार्टी बताया। दम दम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी के गुंडों का हौसला पस्त हो गया है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनकी पार्टी चुनाव हारने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी नहीं चाहती कि महिलाएं आगे बढ़ें, और साथ ही कहा कि महिलाओं की सुरक्षा बीजेपी की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि भगवा पार्टी ने रत्ना देबनाथ को टिकट दिया है, जो आरजी कर रेप-मर्डर केस की पीड़िता की माँ हैं। कल बीजेपी के पक्ष में जो समर्थन देखने को मिला, उसने उसकी जीत का बिगुल बजा दिया है। पश्चिम बंगाल में, जहाँ टीएमसी ने अपने तानाशाही रवैये से लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था और उसे कमजोर कर दिया था, वहाँ की जनता ने पहले ही चरण में उस लोकतंत्र के मंदिर को फिर से बनाना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा बंगाल की हर बहन-बेटी के सपनों को पूरा करने और उनका जीवन आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बंगाल की बहनों से भाजपा का सीधा वादा है कि भाजपा आपको सुरक्षा देगी, भाजपा आपको सम्मान देगी और भाजपा से ही आपको समृद्धि मिलने वाली है। भाजपा सरकार में यहां की हर महिला के जीवन में खुशहाली आएगी, गरीब बहनों को मुफ्त राशन मिलेगा। कोई सिंडिकेट आपका हक नहीं छीन पाएगा। आपका घर का सपना भी पूरा होगा। पीएम आवास योजना के तहत 1.5 लाख रुपये तक की मदद मिलेगी और जो घर बनेगा वो महिलाओं के नाम पर ही होगा। मैं आज बंगाल की हर बेटी को ये भरोसा दिलाने आया हूं कि भाजपा, बेटियों के सपने नहीं कुचलने देगी। 4 मई को भाजपा सरकार बनने के बाद हर अन्याय, हर अत्याचार की फाइल खुलेगी। ये मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी बोले- ये क्रांति की बेला है और वोट से ही क्रांति होगी

प्रधानमंत्री ने कहा, गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र का आह्वान किया था- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा। ये बंगाल में नई क्रांति की बेला है और ये क्रांति वोट से होगी। मैं बंगाल की जनता से अपील करता हूं कि आप हमें वोट रूपी आशीर्वाद दीजिए, हम मिलकर बंगाल को अनेक कष्टों से आजादी दिलाएंगे। टीएमसी नारी विरोधी पार्टी है।

प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर तगड़ा हमला करते हुए कहा बंगाल में टीएमसी ने लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था। पहले चरण के मतदान में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है और दूसरे चरण में इस मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी का दीया बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है। 4 मई को नतीजे आने के बाद टीएमसी के गुंडों को बंगाल में छुपने की जगह नहीं मिलेगी।

जाली दस्तावेजों से 20 करोड़ की कमाई, लैब रिपोर्ट भी फर्जी; मिलावटी उत्पाद निर्यात कर रही कंपनी पर शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय ने जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (जेजीएफपीपीएल) और अन्य से संबंधित चल रही धन शोधन की जांच के सिलसिले में सुनील त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। विशेष न्यायालय (पीएमएलए), भोपाल ने आरोपी को 28 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। मेसर्स जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व सीईओ, आरोपी सुनील त्रिपाठी ने ईडी की जांच में सहयोग नहीं किया। ईडी द्वारा जारी किए गए कई ईमेल संदेश और समन को जानबूझकर नजरअंदाज किया। आरोप है कि इस मामले में जाली दस्तावेजों के बल पर कंपनी ने मिलावटी उत्पादों का निर्यात कर 20 करोड़ रुपये की आपराधिक आय एकत्रित की। खास बात है कि कंपनी के प्रतिनिधियों ने निर्यात निरीक्षण एजेंसी (ईआईए) को जाली लैब रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। ईडी ने एक अप्रैल को गुजरात के वडोदरा स्थित त्रिपाठी के परिसर में पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के तहत तलाशी ली थी। इसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज और उपकरण जब्त किए गए। 9.36 लाख रुपये की खाता शेष राशि फ्रीज कर दी गई है। इससे पहले उक्त मामले में, ईडी ने मेसर्स जेजीएफपीपीएल के प्रबंध निदेशक किशन मोदी को 13 मार्च को पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। वे अभी न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने मेसर्स जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों और अधिकारियों के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत भोपाल के हबीबगंज पुलिस स्टेशन और ईओडब्ल्यू, भोपाल द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है।

यूपी में स्मार्ट मीटर से परेशान बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर

माइनस बैलेंस के बाद भी 30 दिन तक नहीं कटेगा कनेक्शन

लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विद्युत उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्री पेड मीटर के कारण हो रही परेशानी से बड़ी राहत दी है। मंत्री ने कम लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बिजली विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि एक किलोवाट तक के विद्युत कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं का यदि बैलेंस नेगेटिव भी हो जाए, तब भी 30 दिनों तक उनका कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेगेटिव बैलेंस की स्थिति में भी एक माह का पूरा चक्र पूर्ण होने से पहले किसी भी स्थिति में कनेक्शन विच्छेद नहीं

किया जाएगा। इसके साथ ही साथ पारदर्शिता और उपभोक्ता सुविधा को ध्यान में रखते हुए कनेक्शन काटने से पहले उपभोक्ताओं को अनिवार्य रूप से पांच अलर्ट एसएमएस भेजे जाएंगे, जिससे उन्हें समय रहते भुगतान का अवसर मिल सके। उन्होंने इसी क्रम में दो किलोवाट के कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान की गई है। ऐसे उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन 200 तक के माइनस बैलेंस पर नहीं काटा जाएगा। इनके लिए भी पांच चरणों में एसएमएस सूचना प्रणाली लागू की गई है, जिससे किसी भी असुविधा से बचा जा सके। सबसे कम भार वाले (एक किलोवाट) घरेलू उपभोक्ता अब 30 दिन पर अपना प्रीपेड मीटर रिचार्ज कर सकते हैं। इस दरम्यान स्मार्ट /प्रीपेड मीटर पर उनकी बिजली नहीं कटेगी। एक किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं का प्री-पेड मीटर अब सामान्य/पोस्ट-पेड मीटर की तरह ही कार्य करेगा। जैसे आप पहले मासिक बिल भरते थे वैसे ही 30 दिन पर या उससे पहले अपना प्रीपेड मीटर रिचार्ज कराते रहें। दो किलोवाट भार तक के घरेलू उपभोक्ता को पूर्व की व्यवस्थानुसार उनका बैलेंस शून्य होने पर भी अगले 3 दिन अथवा रुपये 200 तक के नेगेटिव बैलेंस होने तक बिजली नही काटी जाएगी। यह भी पुनः निर्देशित किया है कि किसी भी स्थिति में रविवार या त्योहार/सार्वजनिक अवकाश के दिन बिजली' नही काटी जाएगी। बढ़ती गर्मी को देखते हुए मंत्री एके शर्मा ने सभी जिलों के अधिकारियों को विद्युत अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं। अब तक लगभग 30 लाख नए विद्युत खंभे स्थापित किए गए हैं तथा ट्रांसफार्मरों की क्षमता में भी व्यापक वृद्धि की गई है। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य बनकर उभरा है।

आप में बड़ी फूट: राघव चड्ढा ने बदला पाला

आप को तगड़ा झटका: राघव चड्ढा ने अंदरखाने गिरा दिए सात विकेट, बढ़ी पंजाब के सांसदों की केजरीवाल से दूरी

जालंधर (पंजाब)। आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राघव चड्ढा के रास्ते अलग हो गए हैं। राघव ने भाजपा में शामिल होने का एलान किया है। उनके साथ पंजाब के सांसद अशोक मित्तल, राजेंद्र गुप्ता, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी और हरभजन सिंह के भी भाजपा में जाने की बात सामने आ रही है। कुछ दिन पहले राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से चड्ढा को हटाकर उनकी जगह डॉ. अशोक कुमार मित्तल को नियुक्त किया गया था। इस फैसले ने सियासी गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए थे।

पार्टी ने नेतृत्व में बदलाव करने के बाद राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह भी अनुरोध किया था कि राघव चड्ढा को सदन में बोलने के लिए

समय न दिया जाए। इसके बाद से पार्टी और चड्ढा के बीच दूरियों की चर्चा शुरू हो गई थी। जो आज पार्टी में टूट के तौर पर सामने आ गई। राघव चड्ढा अरविंद केजरीवाल के काफी नजदीकी माने जाते थे। आंदोलन के समय से दोनों साथ थे। चड्ढा ने आम आदमी पार्टी से अपनी राजनीति शुरू की थी। 2015 में उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वे 2019 में दक्षिण दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़े लेकिन हार गए। 2020 में राजेंद्र नगर से दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद उन्हें आम आदमी पार्टी का पंजाब प्रभारी बनाया गया। 21 मार्च, 2022 को आम आदमी पार्टी की तरफ से उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया गया था। राघव चड्ढा पंजाब से राज्यसभा के सबसे युवा सदस्य हैं। वे पूर्व दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष और दिल्ली के राजेंद्र नगर विधानसभा सीट से 2022 तक विधायक रह चुके हैं।

दरअसल केजरीवाल और राघव चड्ढा में दूरियां उसी दिन से नजर आने लगी थी जब केजरीवाल जेल में थे और राघव अपनी पत्नी परिनीति के साथ लंदन में घूमते व मस्ती की फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे। राघव को लोकसभा चुनाव में भी पंजाब से दूर रखा गया। औपचारिक तौर पर वे श्री आनंदपुर साहब सीट पर नजर आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा पार्टी के अहम मुद्दों पर अपेक्षाकृत शांत नजर आ रहे थे। विपक्ष जहां इसे आप के अंदरूनी मतभेद का संकेत बता रहा था। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह और नए उपनेता डॉ. अशोक कुमार मित्तल ने इसे एक सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया करार दिया है, जिसका मकसद अन्य सांसदों को भी जिम्मेदारी देना है। राघव चड्ढा ने सीधे तौर पर पार्टी के फैसले पर प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर इशारों में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना, मैं वो दरिया हूं जो वक्त आने पर सैलाब बनता है।

ये सुशासन के नए युग की शुरूआत है: अमित शाह

पश्चिम बंगाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण में रिकॉर्ड-तोड़ मतदान के लिए मतदाताओं को बधाई दी, और शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए भारतीय चुनाव आयोग (ECI) तथा सुरक्षा बलों की सराहना की। एक्स पर एक पोस्ट में, केंद्रीय मंत्री ने गुरुवार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान प्रक्रिया के लिए ईसीआई और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के कर्मियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। भाजपा की जीत की ओर इशारा करते हुए अमित शाह ने कहा कि मतदाताओं की भारी भागीदारी और शांतिपूर्ण मतदान, पश्चिम बंगाल में सुशासन के एक नए युग की शुरूआत का संकेत है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शाह ने लिखा कि मैं पश्चिम बंगाल के सम्मानित मतदाताओं को लोकतंत्र के इस भव्य उत्सव में, मतदान के पहले चरण में ऐतिहासिक भागीदारी के माध्यम से सभी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अपनी हार्दिक बधाई देता हूँ। पोस्ट में आगे कहा गया कि मैं माननीय चुनाव आयोग, सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के बहादुर जवानों और हमारी पश्चिम बंगाल पुलिस का बंगाल के इतिहास में सबसे शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान प्रक्रियाओं में से एक को सुनिश्चित करने के लिए गहरा आभार और बधाई व्यक्त करता हूँ। यह बंगाल में सुशासन के एक नए युग की शुरूआत का स्पष्ट संकेत है।

अब टिकट लेकर ही मिलेगी नई दिल्ली स्टेशन पर एंट्री, भीड़ कंट्रोल के लिए लागू हुआ ये नया सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप राजधानी दिल्ली के रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ने जा रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। अब बिना टिकट स्टेशन में एंट्री आसान नहीं होगी। भारतीय ने बिना टिकट यात्रा रोकने के लिए नई व्यवस्था लागू करनी शुरू कर दी है। इसकी शुरूआत नई दिल्ली स्टेशन से हो चुकी है, जहां बिना टिकट यात्रियों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है।

अब स्टेशन में प्रवेश के लिए किसी न किसी श्रेणी का वैध टिकट होना अनिवार्य होगा, तभी अंदर जाने की अनुमति मिलेगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर के मुताबिक दिल्ली स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने के लिए एक्सेस कंट्रोल सिस्टम लागू किया जा रहा है। इस व्यवस्था के तहत रिजर्व और अनरिजर्व यात्रियों के लिए अलग-अलग एंट्री गेट बनाए गए हैं, ताकि भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सके।

इसके साथ ही एग्जिट गेट पर टर्नस्टाइल गेट भी लगाए जा रहे हैं। जिनसे एक तरफ से ही बाहर निकलने की सुविधा होगी। इसकी शुरूआत नई दिल्ली स्टेशन के अजमेरी गेट साइड गेट नंबर 9 से की गई है, जहां फिलहाल इसका ट्रायल चल रहा है। इन

गेट्स के जरिए बाहर निकलने वाले यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा जिससे स्टेशन पर आवाजाही और ज्यादा सुचारु हो सकेगी।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संपादकीय

विश्व अर्थव्यवस्था का नया कुरुक्षेत्र जलमार्ग

भूराजनीति के मौजूदा परिदृश्य में जलमार्ग केवल व्यापारिक मार्ग नहीं, बल्कि उन चोकपॉइंट्स में तब्दील हो गए हैं, जहां से दुनिया की आर्थिक शक्ति तय होती है। होर्मुज स्ट्रेट और दक्षिण-पूर्व एशिया में मलक्का स्ट्रेट आज ऐसी रणनीतिक बिसात बन चुके हैं, जिस पर महाशक्तियों का वर्चस्व वैश्विक बाजार नियंत्रण की नई पटकथा लिख रहा है। होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी और ईरान के साथ विफल होती शांति वार्ता ने न केवल ऊर्जा संकट को विकराल बनाया है, बल्कि कच्चे तेल की कीमतों को 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है। इस तनाव के पीछे की कूटनीति स्पष्ट है, पेट्रोडॉलर के प्रभुत्व को बचाए रखना और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वियों की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा उत्पन्न करना। इसी कड़ी में अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच हुआ रक्षा समझौता मलक्का स्ट्रेट पर नियंत्रण की एक सोची-समझी दूरगामी रणनीति प्रतीत होता है। अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशियाई हवाई क्षेत्र में पहुंच मिलना चीन की समुद्री घेराबंदी की दिशा में एक बड़ा कदम है। ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद वार्ता का बेनतीजा रहना इस बात का प्रमाण है कि संघर्ष अब केवल परमाणु शर्तों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक क्षतिपूर्ति और संप्रभुता के टकराव का मुद्दा बन चुका है। ईरान जहां 270 अरब डॉलर के नुकसान की भरपाई और प्रतिबंधों की समाप्ति चाहता है, वहीं अमेरिका इसे अपने स्वहितों के चश्मे से देख रहा है। इस खींचतान के बीच भारत की भूमिका अत्यंत संतुलित रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होर्मुज को सुरक्षित और खुला रखने पर दिया गया जोर इस बात को उजागर करता है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता को लेकर गंभीर है। फ्रांस और ब्रिटेन के बीच आगामी बैठक इस दिशा में एक सामूहिक अंतरराष्ट्रीय प्रयास है ताकि इन समुद्री धमनियों में फंसे हजारों जहाजों और वैश्विक व्यापार को बचाया जा सके। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि विश्व समुदाय प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग का मार्ग चुने, अन्यथा ये सामरिक गलियारे वैश्विक अस्थिरता के स्रोत बनते जाएंगे।

नारी शक्ति का वंदन 2029

सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और अब भागीदारी

■ नितिन नबीन

निश्चित ही यह अवसर ऐतिहासिक है। आज से भारतीय संसद के तीन दिवसीय सत्र में सरकार एक ऐसे युगांतरकारी विधेयक पर चर्चा कर रही है, जो हमारे विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार की यह पहल सभी दलों के समर्थन की उम्मीद रखती है। यह उम्मीद इसलिए है क्योंकि यह विधेयक केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि हमारे समाज की बुनियादी सोच को नया आयाम देने वाला एक ऐतिहासिक समय है। सितंबर 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में जिस यात्रा का श्रीगणेश हुआ था, वह अब निर्णायक मोड़ पर है। यह अधिनियम सुनिश्चित करेगा कि अगले आम चुनाव से देश की सर्वोच्च पंचायत, संसद एवं तमाम विधान मंडलों में नारी शक्ति की पूर्ण सहभागिता हो और नीति-निर्धारण में उनका स्वर एक-तिहाई भागीदारी के साथ मजबूती से सम्मिलित हो।

प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेंद्र मोदी जी ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सम्मान को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। उन्होंने महिलाओं की गरिमा और उनके सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया। हमारी सरकार ने महिलाओं के जीवन के हर चरण में उनके सशक्तिकरण के लिए योजनाओं का एक व्यापक तंत्र तैयार किया है-

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ: बेटियों के प्रति सोच बदली, उनका आत्मविश्वास और अवसर दोनों बढ़े। मुद्रा योजना: महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया। प्रधानमंत्री आवास योजना: घर की लक्ष्मी को घर का मालिकाना अधिकार मिला। सुकन्या समृद्धि योजना: बेटियों का भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली, जीवन स्तर बढ़ा। मिशन इंद्रधनुष: टीकाकरण से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ और सुरक्षित जीवन की नींव मजबूत हुई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना: गर्भवती माताओं को पोषण और आर्थिक सहारा मिला, जिससे उनका स्वास्थ्य सुदृढ़ हुआ। ट्रिपल तलाक: मुस्लिम महिलाओं को अन्याय से मुक्ति मिली व उनका आत्मसम्मान व अधिकार मजबूत हुए। नल से जल: घर तक जल पहुंचने से महिलाओं का जीवन अधिक सहज हुआ। लखपति दीदी: महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनीं और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ीं।

यह सब उदाहरण, महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का ही प्रमाण हैं। अब नीति-निर्धारण में उनकी सक्रिय भूमिका के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आए हैं। यह केवल आश्वासन नहीं है, उनकी स्पष्ट दृष्टि है कि वर्ष 2029 से संसदीय प्रणाली में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी रहे, वे सशक्त हों, नीति निर्धारण में उनकी सशक्त भूमिका हो और वे देश की मुखर आवाज बनें। ध्यान दिया जाए तो पता लगेगा कि यह संसद में महिलाओं की संख्या को बढ़ाने मात्र का ऊपरी प्रयास नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, ऐतिहासिक परम्परा और एक शब्द में कहें तो उस आधुनिक सनातनी विचार प्रणाली में एक शोधन है, जिसकी बुनियाद में गार्गी, मैत्रेयी, अरुंधती, अपाला, घोषा, विश्ववारा, सुलभा, सीकता और शाश्वती आदि अनेक ऋषि-नारियों ने वेद संहिताओं के रचने से लेकर जीवन के अनेक क्षेत्रों में अपनी सूक्ष्म दृष्टि, उदात्त चिंतन और विलक्षण मेधा का परिचय दिया है। आधुनिक भारत के निर्माण की पृष्ठभूमि में जहां अहिल्याबाई जैसी उदार चेता राजमहिषी ने अपने प्रशासनिक कौशल और जनकल्याण के मानक स्थापित किए वहीं झांसी की रानी ने मातृभूमि और राष्ट्र प्रेम के लिए अपने प्राणोत्सर्ग से विश्व इतिहास में भारतीय नारियों के बलिदान-भाव की मिसाल कायम की।

वर्तमान भारत के निर्माण में भी हमारी बेटियों का योगदान अद्वितीय है। सावित्रीबाई फुले के समाज सुधार, डॉ. आनंदी गोपाल जोशी के चिकित्सा संघर्ष से, 'मिसाइल वुमन' टेसी थॉमस के वैज्ञानिक पराक्रम तक, हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है। खेल के मैदान में पीवी सिंधु, मैरीकॉम और मिताली राज और साइना नेहवाल ने तिरंगे की शान बढ़ाई है, तो कला और संगीत के संसार में लता मंगेशकर और आशा भोंसले जैसी सुर साम्राज्ञियों ने अपनी स्वर साधना से विश्व में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। यह सूची अनंत है, जो प्रमाणित करती है कि स्त्री शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में निर्णायक भूमिका में है। संसद में महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित करने का यह निर्णय 'वैदिक गरिमा' और 'आधुनिक प्रगति' का सुंदर संगम है। इसमें 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास' की पवित्र भावना शामिल है। यह विधेयक उन करोड़ों माताओं-बहनों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने परिवार और समाज के निर्माण में स्वयं को खपा दिया। इस बदलाव का क्रांतिकारी प्रभाव हमारे ग्रामीण भारत पर पड़ेगा, जहां महिलाएं अब नेतृत्वकारी भूमिका में उभरेंगी। यह सक्रिय भागीदारी सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसा वातावरण बनाएगी जहां बेटियां केवल सपने नहीं देखेंगी, बल्कि उन्हें साकार करने का सामर्थ्य और वैधानिक अधिकार भी रखेंगी। इस विधेयक को लेकर सरकार की मंशा कितनी पवित्र है इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम किसी एक पार्टी के एजेंडा की जीत नहीं, सभी के प्रयासों की जीत है। सारा क्रेडट देश के सभी राजनीतिक दलों को है, जो पिछले तीन-चार दशकों से लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं।

हमारी संसद प्रबुद्ध और उत्तरदायी जनप्रतिनिधियों का मंदिर है। जनता हमारी हर गतिविधि और सरोकार को सूक्ष्मता से परखती है। माननीय सांसदों से यह विनम्र अपेक्षा है कि वे राष्ट्र के सामूहिक मन को समझें। आज समय की मांग है कि हम दलगत सीमाओं से ऊपर उठें। एक विनम्र कार्यकर्ता और इस महान संस्था के सदस्य के नाते मेरी अपील है कि इस नारीशक्ति के सामर्थ्य और स्वावलंबन के 'अभिषेक अनुष्ठान' में अपने समर्थन की आहुति अर्पित करें। यह सामूहिक प्रयास ही यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य का भारत न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि सामाजिक न्याय और नारी गौरव के मामले में भी विश्व का नेतृत्व करने में सक्षम है। हमारा सामूहिक प्रयास ही समर्थ और सशक्त भारत के निर्माण में मातृशक्ति की निर्णायक भूमिका तय करेगा।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)

मौसम ने मार्च के अंतिम दिनों और अप्रैल की शुरुआत में कृषि पर ऐसी चोट की, जिसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देगी। प्रकृति ने जो तेवर दिखाए, वे सामान्य मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि एक चेतावनी की तरह लगते हैं। तेज हवाओं, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी पकी फसलों को इस तरह रौंदा कि किसानों की महीनों की मेहनत पलों में बिखर गई।

ओलावृष्टि, कमजोर मानसून और किसान संकट

किसानों के लिए यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि उस आशा का टूटना भी है, जो हर किसान अपने खेत में बोता है। देश के कई हिस्सों से आई तस्वीरें और वीडियो इस तबाही की भयावहता को बयां करते हैं। आसमान से गिरे बड़े-बड़े ओलों ने खेतों, सड़कों और खुले मैदानों को सफेद चादर से ढंक दिया। कहीं-कहीं तो चार से छह इंच तक ओलों की परत जम गई, मानो धरती पर बर्फ की परत बिछ गई हो। ऐसी परिस्थितियों में फसलों के बचने की कल्पना करना भी कठिन है। गेहूं, चना, सरसों जैसी रबी की प्रमुख फसलें, जो कटाई के मुहाने पर थीं, सबसे अधिक प्रभावित हुईं। किसान, जो अच्छी पैदावार की उम्मीद में थे, अब नुकसान का आकलन करने को विवश हैं। लेकिन संकट यहीं थमता नहीं दिखता। आने वाले समय को लेकर भी चिंता के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग ने इस वर्ष मानसून के कमजोर रहने की आशंका जताई है।

अनुमान है कि जून से सितंबर के बीच वर्षा सामान्य औसत से कम, यानी लगभग 92 प्रतिशत तक सीमित रह सकती है। यह आंकड़ा भले ही बहुत बड़ा अंतर न लगे, लेकिन भारतीय कृषि की वर्षा-निर्भर प्रकृति को देखते हुए इसका प्रभाव गहरा हो सकता है। बिलो नॉर्मल (सामान्य से कम) की यह स्थिति उन किसानों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक है, जिनके पास सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं हैं। इसके साथ ही अल नीनो जैसी जलवायु परिस्थितियों के बनने की संभावना ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सामान्यतः अल नीनो भारतीय मानसून को कमजोर करता है, जिससे वर्षा में कमी आती है और सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

यद्यपि अल नीनों की स्थिति तटस्थ रहने की बात कही जा रही है, लेकिन जून के बाद इसके सक्रिय होने की आशंका है। यदि ऐसा होता है, तो इसका सीधा असर खेती, जल संसाधनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत में 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर औसत मानसूनी वर्षा लगभग 87 सेंटीमीटर मानी जाती है। ऐसे में इस वर्ष का अनुमान इस औसत से नीचे रहने का संकेत देता है। हालांकि कुछ क्षेत्रों, जैसे कि पूर्वोत्तर भारत, उत्तर-पश्चिम के कुछ हिस्से और दक्षिणी प्रायद्वीप में सामान्य या अधिक वर्षा की संभावना जताई गई है, लेकिन यह क्षेत्रीय असमानता भी एक नई चुनौती पैदा करती है। जहां एक ओर कुछ इलाके जलभराव से जूझ सकते हैं, तो वहीं अन्य क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बन सकती है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक प्रभावित वह किसान है, जिसकी आजीविका पूरी तरह मौसम पर निर्भर है। एक ओर बेमौसम आपदाएं उसकी फसलें छीन रही हैं, तो दूसरी ओर अनिश्चित मानसून भविष्य को धुंधला बना रहा है। ऐसे समय में केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत कदमों की जरूरत है। जैसे फसल बीमा का प्रभावी क्रियान्वयन, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और मौसम पूर्वानुमान की सटीक जानकारी का समय पर प्रसार। प्रकृति का यह बदलता स्वरूप हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हम जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को पर्याप्त रूप से समझ पा रहे हैं? यदि नहीं, तो यह समय चेतने का है। क्योंकि खेतों में गिरते ओले केवल फसलें नहीं, बल्कि हमारी नीतियों और तैयारियों की भी परीक्षा ले रहे हैं।

■ जसवंत सिंह राजपूत

रहस्य/सेहत

रहस्य और विज्ञान का संगम

भारत की विरासत जो बनीं विज्ञान के लिए चुनौती

भारत की प्राचीन धरोहरें केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि विज्ञान और इंजीनियरिंग के बेजोड़ व रहस्यमयी उदाहरण भी हैं। देश में कुछ मंदिर और प्राकृतिक स्थल ऐसे हैं, जिन्हें देखकर लगता है मानो गुरुत्वाकर्षण के नियम यहां लागू ही नहीं होते। दरअसल, इनके पीछे छिपा है संतुलन, गणना और दृष्टिभ्रम का अद्भुत विज्ञान।

कुदरत और मानव ज्ञान के मेल ने दुनिया को अनेक चमत्कारिक दृश्य दिए हैं, लेकिन भारत की कुछ प्राचीन संरचनाएं आज भी रहस्य और आश्चर्य का केंद्र बनी हुई हैं। पहली नजर में ये स्थल गुरुत्वाकर्षण के नियमों को चुनौती देते प्रतीत होते हैं, पर काफी गहराई से सोचने और समझने के बाद इनका वैज्ञानिक आधार समझ में आता है। यही कारण है कि यह स्थान आस्था और तर्क दोनों को समान रूप से आकर्षित करते हैं।

झूलता स्तंभ
संतुलन की पराकाष्ठा

आंध्र प्रदेश के लेपाक्षी मंदिर में स्थित झूलता हुआ स्तंभ वर्षों से लोगों को चकित करता आया है। इस स्तंभ के नीचे से आसानी से कपड़ा निकाला जा सकता है, जिससे यह हवा में लटका प्रतीत होता है। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार यह अत्यंत सूक्ष्म संतुलन और भार-वितरण की तकनीक का परिणाम है। प्राचीन शिल्पकारों की यह अद्भुत कला आज भी आधुनिक इंजीनियरों के लिए प्रेरणा है।

रहस्य और आस्था का अनोखा संगम

भारत की प्राचीन सभ्यता वैज्ञानिक समझ और वास्तुकला कौशल के लिए भी प्रसिद्ध रही है। कई मंदिरों और स्थलों के बारे में यह धारणा रही है कि वहां गुरुत्वाकर्षण के नियम काम नहीं करते। लेकिन वास्तव में इन तथ्यों के पीछे संतुलन, संरचनात्मक गणना और ऑप्टिकल इल्यूजन जैसे वैज्ञानिक सिद्धांत कार्य करते हैं।

कोणार्क मंदिर और रहस्य

ओडिशा का कोणार्क सूर्य मंदिर भी रहस्यों और किंवदंतियों से भरा हुआ है। माना जाता है कि इसके शिखर पर एक शक्तिशाली चुंबक लगा था, जो समुद्री जहाजों के कंपास को प्रभावित करता था। कुछ कथाएं यह भी कहती हैं कि इससे मूर्ति हवा में संतुलित रहती थी। हालांकि, इन दावों के ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं, फिर भी इसकी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व इसे विशेष बनाते हैं।

कैलाश मंदिर: एक ही चट्टान का चमत्कार

महाराष्ट्र के कैलाश मंदिर एलोरा को देखकर ऐसा लगता है मानो यह किसी अलौकिक शक्ति का परिणाम हो। यह मंदिर एक ही विशाल चट्टान को ऊपर से नीचे काटकर बनाया गया है। इसकी संरचना इतनी संतुलित और सटीक है कि यह गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देता प्रतीत होता है। वास्तव में यह प्राचीन भारतीय इंजीनियरिंग और सूक्ष्म योजना का उत्कृष्ट उदाहरण है।

दृष्टिभ्रम का खेल मैग्नेटिक हिल

लद्दाख की मैग्नेटिक हिल को अक्सर 'एंटी-ग्रेविटी' स्थल कहा जाता है। यहां वाहन बिना इंजन के भी ऊपर की ओर चलते दिखाई देते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार यह केवल एक ऑप्टिकल इल्यूजन है, जहां सड़क का ढलान आंखों को उल्टा प्रतीत होता है। इस भ्रम के कारण ऐसा लगता है कि गुरुत्वाकर्षण काम नहीं कर रहा।

विज्ञान बनाम विश्वास

इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट है कि गुरुत्वाकर्षण का नियम हर स्थान पर समान रूप से लागू होता है। जो घटनाएं हमें असामान्य लगती हैं, वे वास्तव में प्रकृति, वास्तुकला और मानव बुद्धिमत्ता का परिणाम हैं। फिर भी, जब इनसे आस्था जुड़ जाती है, तो इनका आकर्षण और भी बढ़ जाता है।

रहस्य नहीं, ज्ञान का प्रमाण

भारत के ये अद्भुत स्थल यह सिद्ध करते हैं कि प्राचीन काल में भी विज्ञान और कला का गहरा मेल था। ये संरचनाएं गुरुत्वाकर्षण को चुनौती नहीं देतीं, बल्कि मानव कौशल, सटीक गणना और रचनात्मकता का प्रमाण हैं। यही वजह है कि ये स्थान आज भी रहस्य, आस्था और वैज्ञानिक जिज्ञासा का अनोखा संगम बने हुए हैं।

हम अक्सर आंखों की जांच को केवल चश्मे का नंबर बदलने तक सीमित समझते हैं, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा गहरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित आंखों की जांच न केवल दृष्टि को बेहतर बनाए रखती है, बल्कि यह शरीर में छिपी कई गंभीर बीमारियों के शुरुआती संकेत भी उजागर कर सकती है। आंखों की रेटिना ही एकमात्र ऐसी जगह है, जहां बिना सर्जरी के शरीर की रक्त वाहिकाओं को सीधे देखा जा सकता है और यही इसे स्वास्थ्य का असली आईना बनाती है।

रेटिना से खुलते हैं कई बीमारियों के संकेत

नेत्र विशेषज्ञ जब रेटिना की जांच करते हैं, तो उन्हें रक्त वाहिकाओं में होने वाले सूक्ष्म बदलाव साफ दिखाई देते हैं। यही बदलाव कई बीमारियों के शुरुआती संकेत होते हैं। मधुमेह की स्थिति में आंखों की नसों से खून का रिसाव या सूजन दिखाई दे सकती है, जिसे डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। इसी तरह हाई ब्लड प्रेशर रेटिना की नसों में सिकुड़न या सूजन के रूप में नजर आता है। उच्च कोलेस्ट्रॉल का संकेत कॉर्निया के आसपास बनने वाले पीले या नीले घेरे से मिलता है, जबकि आंखों के पीछे असामान्य गांठें या बदलाव कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की ओर इशारा कर सकते हैं।

क्यों जरूरी है नियमित जांच?

सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई गंभीर बीमारियां शुरुआती चरण में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखातीं। ऐसे में आंखों की जांच ही उन्हें समय रहते पकड़ने का प्रभावी माध्यम बनती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि वयस्कों को साल में कम से कम एक बार व्यापक नेत्र परीक्षण (पुतली फैलाकर) जरूर कराना चाहिए। 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों और मधुमेह या हाई बीपी के मरीजों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है।

स्ट्रोक और ऑटोइम्यून बीमारियों का भी संकेत

आंखों की जांच से स्ट्रोक के खतरे का भी अंदाजा लगाया जा सकता है। रेटिना में छोटे रक्त के थक्के या ब्लॉकेज शरीर में बड़े खतरे की चेतावनी हो सकते हैं। इसके अलावा ल्यूपस जैसी ऑटोइम्यून बीमारियां भी आंखों में सूजन या जलन के रूप में प्रकट हो सकती हैं। कई बार मरीज को शरीर में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते, लेकिन आंखें पहले संकेत दे देती हैं।

क्या रखें ध्यान?

आंखों की सेहत को नजरअंदाज करना पूरे शरीर की सेहत को जोखिम में डाल सकता है। धुंधला दिखना, आंखों में दर्द, सिरदर्द या बार-बार आंखों में तनाव महसूस होना, ये सभी संकेत हैं कि आपको तुरंत जांच करानी चाहिए। नियमित नेत्र परीक्षण न केवल आपकी दृष्टि बचाता है, बल्कि कई बार आपकी जिंदगी भी बचा सकता है। इसलिए अगली बार आंखों की जांच को हल्के में न लें, क्योंकि आपकी आंखें सिर्फ देखने के लिए नहीं, बल्कि आपके पूरे स्वास्थ्य की कहानी कहने के लिए भी होती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

गंगा एक्सप्रेसवे उद्घाटन से पहले अमरोहा में हलचल, मंगरौला में तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा

मंगरौला में गंगा एक्सप्रेसवे स्थल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी नितिन गौड़, साथ में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। आगामी 29 अप्रैल को होने वाले गंगा एक्सप्रेसवे के भव्य उद्घाटन से पहले जनपद में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने तहसील हसनपुर के गांव मंगरौला स्थित गंगा एक्सप्रेसवे स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का गहन जायजा लिया। यह स्थल अमरोहा जनपद के लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि यहां एक्सप्रेसवे का प्रमुख एंट्री प्वाइंट बनाया गया है, जिससे जिले की कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई जनपद में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए अमरोहा में भी समानांतर कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इसी को लेकर जिलाधिकारी ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भीड़ नियंत्रण, वीआईपी मूवमेंट और संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखने के लिए कहा। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु वैकल्पिक रूट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि कार्यक्रम के दौरान आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, पार्किंग और बैठने की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे यह आयोजन जनसहभागिता का प्रतीक बन सके। गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जो मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों–मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज–को जोड़ते हुए प्रदेश के विकास को नई रफ्तार देगा। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से न केवल यात्रा का समय घटेगा, बल्कि औद्योगिक, व्यापारिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गिरीश, परियोजना निदेशक अम्बरीष कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का दावा है कि 29 अप्रैल का कार्यक्रम पूरी तरह व्यवस्थित, सुरक्षित और भव्य होगा। अब देखना यह है कि गंगा एक्सप्रेसवे का यह ऐतिहासिक क्षण अमरोहा के विकास की दिशा में कितना बड़ा मील का पत्थर साबित होता है।

गन्ना मूल्य और ब्याज दर पर गरजे साईं रेड्डी, बोले–संगठन मजबूत तो किसान मजबूत

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. साईं रेड्डी के हसनपुर आगमन पर ब्लॉक सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता से पूर्व कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। फूल-मालाओं, पटका पहनाकर और पगड़ी बांधकर कार्यकताओं ने अपने नेता के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन की मजबूती पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक गांव में सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़ा जाए, क्योंकि मजबूत संगठन ही किसानों की समस्याओं के समाधान की कुंजी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक संगठन सशक्त नहीं होगा, तब तक किसानों की आवाज प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक नहीं पहुंच पाएगी।

टॉपर छात्राओं को सम्मानित करते प्रभारी मंत्री, साथ में डीएम व जनप्रतिनिधि

किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए साईं रेड्डी ने गन्ना मूल्य और भुगतान को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में गन्ने का रेट उत्तर प्रदेश की तुलना में अधिक है, जबकि यहां किसानों को कम मूल्य मिलने के बावजूद समय पर भुगतान भी नहीं हो पाता। इस स्थिति को उन्होंने चिंताजनक बताते हुए सरकार से इसमें सुधार की मांग की। इसके अलावा अमरोहा जनपद की सहकारी समितियों में किसानों से वसूले जा रहे ब्याज पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जहां प्रदेश के अन्य जिलों में 3 प्रतिशत ब्याज लिया जा रहा है, वहीं अमरोहा में 7 प्रतिशत की दर से ब्याज वसूला जा रहा है, जो किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने इसे तत्काल प्रभाव से 3 प्रतिशत करने की मांग उठाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च 1979 को राजस्थान के कोटा में हुई थी और तब से संगठन लगातार किसान हितों के लिए संघर्षरत है। उन्होंने कार्यकताओं से अनुशासन में रहकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करने की अपील की। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भैया राम मौर्य, प्रांत अध्यक्ष संजीव चौधरी, प्रदेश संगठन मंत्री शिवकांत दीक्षित, प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार सिंह, विभाग संगठन मंत्री रामपाल सिंह, रमेश सिंह, प्रांत महामंत्री डॉ. कुलदीप सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौधरी , जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, जिला मंत्री संभल भूपेंद्र सारस्वत सहित ओमवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, महिपाल सिंह, शिवचरण सिंह, एडवोकेट हरिप्रकाश राणा, उमेश सैन, रोहताश सिंह, करण सिंह, जयप्रकाश शर्मा समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमरोहा में विकास की रफ्तार पर मंत्री की नजर, हर योजना आमजन तक पहुंचाने का फरमान

टॉपर छात्राओं को सम्मानित करते प्रभारी मंत्री, साथ में डीएम व जनप्रतिनिधि

कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते प्रभारी मंत्री के0पी0 मलिक

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में विकास कार्यों की प्रगति और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (प्रभारी मंत्री) के0पी0 मलिक ने की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की गई।

बैठक की शुरूआत जिलाधिकारी नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न विभागों की उपलब्धियों और प्रगति से अवगत कराया। प्रदेश स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त करने वाले विभागों की मंत्री ने सराहना की और अन्य विभागों को बेहतर प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

प्रभारी मंत्री ने कृषि विभाग की योजनाओं, विशेषकर डीबीटी के तहत कृषि रक्षा रसायनों के वितरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी पात्र किसानों तक योजना का लाभ शत-प्रतिशत पहुंचे। जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पाई है, उनके लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाकर पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही उद्यान विभाग को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए।

निराश्रित गोवंशों की देखभाल को लेकर मंत्री ने विशेष चिंता जताई और सभी गौशालाओं में गर्मी से बचाव के समुचित इंतजाम करने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित लाइब्रेरी के प्रभावी संचालन पर जोर देते हुए उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों और अनुभवी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा, ताकि बच्चों को बेहतर मार्गदर्शन मिल सके। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान आयुष्मान योजना के दुरुपयोग को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लाभार्थियों की पात्रता की जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं पीएम और सीएम आवास योजनाओं के तहत एक भी पात्र लाभार्थी छूटने न पाए, इसके लिए विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिन गांवों में नियमित जलापूर्ति शुरू हो चुकी है, उनकी सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने को कहा गया। साथ ही स्मार्ट मीटर से संबंधित बिलिंग समस्याओं के समाधान के लिए भी विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यों और योजनाओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों के साथ साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके। किसान सम्मान निधि की त्रुटियों को दूर करने और स्कूल चलो अभियान के तहत नामांकन बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक के दौरान हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं वंशिका, छवि, इशिका और अंशिका को सम्मानित किया गया। मंत्री ने उनकी मेहनत की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों और पंचायत सहायकों को भी सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने मंत्री को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निदेशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाएगा और योजनाओं के क्रियान्वयन में और सुधार लाया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्ला, विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी, विधायक राजीव तरारा सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जमीन हड़पने की साजिश! जेसीबी से तोड़ा मकान, विरोध पर दी जान से मारने की धमकी

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। थाना क्षेत्र में जमीन कब्जाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां फर्जी दानपत्र के सहारे दबंगों ने रात के अंधेरे में मकान गिराकर प्लॉट पर कब्जा करने की कोशिश की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के ग्राम बागडपुर निवासी शाहिद खाँ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपने भाई वाहिद खाँ के साथ मिलकर वर्ष 1997 में ग्राम लालू नंगला में गाटा संख्या-115 में से 160 वर्ग मीटर का एक आवासीय प्लॉट खरीदा था। इस प्लॉट का विधिवत बैनामा भी कराया गया था। समय के साथ उन्होंने प्लॉट के अगले हिस्से में एक हाल और पीछे मकान का निर्माण कराया, जिसमें आटा चक्की और तेल निकालने का शेलर भी स्थापित किया गया।

पीड़ित के अनुसार, प्लॉट बेचने वाले रमजानी खाँ की कुछ वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। आरोप है कि उनके पुत्र रजा हुसैन ने अपने सगे बेटों–असफाक, जाहिद, मैराज और इस्लामुद्दीन–के नाम फर्जी और कूटरचित दानपत्र 20 जनवरी 2026 को तैयार करा लिया। इस कथित दानपत्र में गवाह के रूप में अपनी ही बेटियों को शामिल किया गया, जिससे पूरा मामला संदिग्ध बन गया है। घटना का सबसे चौंकाने वाला पहलू 20 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 3 बजे सामने आया, जब आरोपित पक्ष के लोग कथित रूप से मिनी जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और प्लॉट पर बने मकान को गिराना शुरू कर दिया। शोर-शराबा सुनकर शाहिद खाँ, उनका पुत्र दानिश, नाजिम पुत्र मुन्ने खाँ और अन्य स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचने पर देखा कि आरोपित मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने विरोध किया और पुलिस में शिकायत करने की बात कही, तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा होती देख आरोपी फरार हो गए। शाहिद खाँ ने आरोप लगाया कि विपक्षीगण दबंग प्रवृत्ति के हैं और समूह बनाकर लोगों की जमीनों पर अवैध कब्जा करते हैं। इस घटना में पीड़ित को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, साथ ही इलाके में दहशत का माहौल भी बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो जमीन कब्जाने की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

थाना अमरोहा देहात पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गन्ना मूल्य और ब्याज दर पर गरजे साईं रेड्डी, बोले–संगठन मजबूत तो किसान मजबूत

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. साईं रेड्डी के हसनपुर आगमन पर ब्लॉक सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता से पूर्व कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। फूल-मालाओं, पटका पहनाकर और पगड़ी बांधकर कार्यकताओं ने अपने नेता के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन की मजबूती पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक गांव में सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़ा जाए, क्योंकि मजबूत संगठन ही किसानों की समस्याओं के समाधान की कुंजी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक संगठन सशक्त नहीं होगा, तब तक किसानों की आवाज प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक नहीं पहुंच पाएगी।

हसनपुर में आयोजित प्रेस वार्ता से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के. साईं रेड्डी का भव्य स्वागत करते किसान संघ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए साईं रेड्डी ने गन्ना मूल्य और भुगतान को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में गन्ने का रेट उत्तर प्रदेश की तुलना में अधिक है, जबकि यहां किसानों को कम मूल्य मिलने के बावजूद समय पर भुगतान भी नहीं हो पाता। इस स्थिति को उन्होंने चिंताजनक बताते हुए सरकार से इसमें सुधार की मांग की। इसके अलावा अमरोहा जनपद की सहकारी समितियों में किसानों से वसूले जा रहे ब्याज पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जहां प्रदेश के अन्य जिलों में 3 प्रतिशत ब्याज लिया जा रहा है, वहीं अमरोहा में 7 प्रतिशत की दर से ब्याज वसूला जा रहा है, जो किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने इसे तत्काल प्रभाव से 3 प्रतिशत करने की मांग उठाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च 1979 को राजस्थान के कोटा में हुई थी और तब से संगठन लगातार किसान हितों के लिए संघर्षरत है। उन्होंने कार्यकताओं से अनुशासन में रहकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करने की अपील की। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भैया राम मौर्य, प्रांत अध्यक्ष संजीव चौधरी, प्रदेश संगठन मंत्री शिवकांत दीक्षित, प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार सिंह, विभाग संगठन मंत्री रामपाल सिंह, रमेश सिंह, प्रांत महामंत्री डॉ. कुलदीप सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौधरी , जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, जिला मंत्री संभल भूपेंद्र सारस्वत सहित ओमवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, महिपाल सिंह, शिवचरण सिंह, एडवोकेट हरिप्रकाश राणा, उमेश सैन, रोहताश सिंह, करण सिंह, जयप्रकाश शर्मा समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम चौपाल में गूंजी विकास की बात, मंत्री केपी मलिक ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। क्षेत्र की ग्राम पंचायत सकतपुर करनपुर में आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रम में प्रदेश के राज्य मंत्री (वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन) एवं जनपद प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक ने शिरकत कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं को समझना और उनका प्रभावी निराकरण करना है।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान सरकार की योजनाओं का लाभ अब सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार दें, ताकि आने वाली पीढ़ी एक सशक्त और जिम्मेदार समाज का निर्माण कर सके। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि सीएम कंपोजिट विद्यालय क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात है। इससे विद्यार्थियों को प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा एक ही परिसर में मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में आधुनिक सुविधाएं जैसे स्टेडियम और प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे शिक्षा का स्तर और बेहतर होगा।

इस अवसर पर मंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया, जिससे कार्यक्रम में सामाजिक सरोकार की झलक देखने को मिली। साथ ही वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग पेंशन एवं व्यक्तिगत शौचालय योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। लखपति दीदी को भी सम्मानित कर महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया गया।

चौपाल में कृषि, उद्यान एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और लोगों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं खुलकर रखीं, जिन पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम के बाद मंत्री ने निमार्णाधीन सीएम कंपोजिट स्कूल करनपुर सकतपुर तथा नगर पंचायत सैदनगली में बन रहे बहुउद्देशीय स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, उप कृषि निदेशक डॉ. राम प्रवेश सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आदमपुर पंचायत में ह्यस्वच्छता के सिपाही का सम्मान, पंचायती राज दिवस बना खास

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। ग्राम पंचायत आदमपुर में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के विकास, स्वच्छता और जनभागीदारी पर चर्चा की गई। बैठक का माहौल उस समय और भी खास बन गया जब ग्राम के मेहनती सफाई कर्मी अनीस को सम्मानित किया गया।

पंचायती राज दिवस पर आदमपुर में सफाई कर्मी अनीस का सम्मान।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान पुत्र रिंकू सैनी ने अनीस को माला पहनाकर एवं शाल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनके कार्यों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि अनीस ने अपनी मेहनत और लगन से गांव को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है। बैठक में ग्राम प्रधान खरपड़ी विजय कुमार ने कहा कि स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी ग्रामीणों का कर्तव्य है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे गांव को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें और सफाई कर्मियों के कार्य का सम्मान करें। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर विकास तभी संभव है, जब सभी लोग मिलकर कार्य करें। बैठक में ग्राम सचिव विदित यादव तथा ग्रामीणों ने भी अपने सुझाव साझा किए और पंचायत से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान गांव के कई गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के इस आयोजन ने न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि गांव में कार्य कर रहे कर्मठ कर्मचारियों के सम्मान का संदेश भी दिया।

पटाखा छोड़ने को लेकर हुए विवाद में चलें लाठी-डंडों दो घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल

मंडी धनौरा। थाना क्षेत्र में पटाखा छोड़ने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि कुछ युवकों ने विरोध करने पर दो लोगों पर लाठी-डंडों और सरियों से हमला कर दिया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, गांधी नगर निवासी नरेश कुमार के मुताबिक 10 अप्रैल 2026 को करीब सुबह 11:30 बजे विपुल अपने माता गीता देवी के साथ जिला सहकारी बैंक से घर लौट रहा था। जब वह शेरपुर क्षेत्र के पास पहुंचा, तभी कुछ युवक मोटरसाइकिल से पटाखे छोड़ रहे थे। विपुल और उसकी मां ने इसका विरोध किया, जिससे आरोपी भड़क गए। आरोप है कि फैजान पुत्र यासीन, रोहन पुत्र यासीन और वश गुप्ता उर्फ फीजल सहित एक अन्य अज्ञात साथी ने मिलकर विपुल पर हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-डंडों और लोहे की सरियों से बेरहमी से मारपीट की और गाली-गलौज भी की। इसी दौरान वहां से गुजर रहे विवेक कुमार (नरेश कुमार का पुत्र) ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उसे भी निशाना बना लिया।

हमले में विपुल और विवेक दोनों को गंभीर चोटें आईं। खासकर विवेक के सिर में गहरी चोट लगी, जिसके चलते उसे आठ टांके लगाने पड़े। परिजनों ने दोनों घायलों का इलाज सरकारी और निजी अस्पताल में कराया। इलाज के बाद स्थिति में सुधार होने पर पीड़ित पक्ष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। नरेश कुमार ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से हमला किया और घटना के बाद भी लगातार धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सुबह दौड़ पर निकला 17 वर्षीय विशाल लापता, बहला-फुसलाकर ले जाने का केस दज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। एक साधारण सुबह अचानक सनसनी में बदल गई, जब गांव हमीदपुरा का 17 वर्षीय किशोर विशाल सैनी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों के मुताबिक, विशाल 9 मार्च 2026 को सुबह करीब 4 बजे रोज की तरह दौड़ लगाने घर से निकला था, लेकिन फिर वापस नहीं लौटा। घंटों इंतजार के बाद जब परिजनों ने उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की, तो फोन बंद मिला। घटना के बाद परिवार ने रिश्तेदारों, दोस्तों और आसपास के क्षेत्रों में हर संभव जगह तलाश की, लेकिन किशोर का कोई सुराग नहीं लग सका। थक-हारकर मां रजनी सैनी ने 10 मार्च को थाना अमरोहा देहात में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। अब नए तथ्यों के आधार पर उन्होंने आशंका जताई है कि उनके बेटे को अज्ञात लोग बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं।

प्रार्थना पत्र में रजनी सैनी ने बताया कि उनके बेटे की जन्मतिथि 9 सितंबर 2008 है, जिससे स्पष्ट है कि वह नाबालिग है। ऐसे में मामला और गंभीर हो जाता है। उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द उनके बेटे को सकुशल बरामद किया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सर्विलांस और अन्य तकनीकी माध्यमों की मदद से किशोर की तलाश की जा रही है।

कॉप ऑफ द मंथ: सैदनगली अव्वल, अमरोहा पुलिस का परफॉर्मेंस मॉडल चर्चा में

दैनिक बुलंद मंज़िल/ सर्वेश यादव

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने मार्च 2026 के लिए कॉप ऑफ द मंथ अवार्ड घोषित करते हुए थाना सैदनगली के थानाध्यक्ष विकास कुमार को प्रथम स्थान पर सम्मानित किया। वहीं सर्किल स्तर पर डिडौली के उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार और गजरौला के उपनिरीक्षक सुधीर तोमर अपने-अपने क्षेत्रों में अव्वल रहे।

जनपद में लागू ऑब्जेक्टिव इवेल्यूएशन सिस्टम के तहत पुलिस कार्यों का अंक आधारित मूल्यांकन किया जा रहा है, जिससे प्रोफेशनलिज्म और टार्गेट आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा मिला है। इसी के चलते सैदनगली थाना प्रभारी ने 2829.2 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। मार्च माह में अमरोहा पुलिस ने व्यापक कार्रवाई करते हुए 149 वारंटियों को गिरफ्तार किया, 6 गुंडा एक्ट की कार्रवाई की और करीब 22.71 लाख रुपये की माल बरामदगी की। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत 18 मामलों में 30 अभियुक्तों को सजा दिलाई गई, जिसमें एक को आजीवन कारावास भी शामिल है।

साइबर सेल ने भी सराहनीय कार्य करते हुए धोखाधड़ी के शिकार पीड़ितों के 60 हजार रुपये वापस कराए। इसके अलावा ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 7397 वाहनों का चालान और 39 वाहन सीज किए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस व्यवस्था से पुलिसकर्मियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, जिससे कानून-व्यवस्था और जनसेवा दोनों में सुधार देखने को मिल रहा है।

खेत के चारों ओर कंटीले तारों में दौड़ रहे 11 हजार करंट की चपेट में आकर किसान की मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल

रजबपुर ब्यूरो। थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। गुरुवार दोपहर एक युवक की खेत में लगाए गए करंटयुक्त कटीले तारों की चपेट में आकर मौत हो गई। यह घटना न केवल लापरवाही की कहानी बयां करती है, बल्कि ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा के नाम पर किए जा रहे खतरनाक इंतजामों पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। ग्राम बड़ी खजूरी निवासी धर्मवीर सिंह के 26 वर्षीय पुत्र योगेश कुमार, जो पेशे से मोटर मिस्त्री था, रोज की तरह अपनी दुकान पर काम कर रहा था। दोपहर करीब 1:20 बजे वह पास ही स्थित सदरपुर मिलक

गांव के एक खेत की ओर पानी के लिए गया। लेकिन उसे क्या पता था कि यह कदम उसकी जिंदगी का आखिरी कदम साबित होगा। बताया जा रहा है कि खेत मालिक काविन्द्र सिंह ने अपने खेत की सुरक्षा के नाम पर चारों ओर कंटीले तारों की बाड़ लगा रखी थी। आरोप है कि इन तारों में अवैध रूप से 11 हजार वोल्ट का करंट प्रवाहित किया गया था। जैसे ही योगेश इन तारों के संपर्क में आया, उसे जोरदार करंट लगा और वह मौके पर ही तड़प उठा।

योगेश की चीख सुनकर पास में मौजूद उसके साथी दौड़े। उसे बचाने के प्रयास में उसका साथी अंकुल भी करंट की चपेट में आ गया। किसी तरह हिम्मत दिखाते हुए उसने अपनी शर्ट का इस्तेमाल कर योगेश को तारों से अलग किया और तुरंत उसे नजदीकी डॉक्टर के पास ले जाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी—डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। योगेश अपने परिवार का इकलौता सहारा था और पीछे अपनी गर्भवती पत्नी प्रीति को छोड़ गया है, जो करीब 5-6 माह की गर्भवती है। परिवार के सामने अब जीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

घटना के बाद परिजनों ने खेत मालिक पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में तहरीर दी। उनका कहना है कि इस तरह खुलेआम करंट दौड़ाना न सिर्फ गैरकानूनी है बल्कि जानलेवा भी है। यह सीधे तौर पर घोर लापरवाही और आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आता है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। साथ ही शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ताकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके। यह घटना प्रशासन और बिजली विभाग के लिए भी एक चेतावनी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के अवैध और खतरनाक उपायों पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस तरह का दर्द न झेलना पड़े।

बच्चों के विवाद में मारपीट, महिला समेत तीन घायल—थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की लगाई गुहार

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र के ग्राम खुशहालपुर में बच्चों के आपसी झगड़े ने उस समय हिंसक रूप ले लिया, जब बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार पर ही हमला कर दिया गया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। पीड़िता पूनम पत्नी वीरपाल ने थाना रहरा में तहरीर देकर गांव के ही चार लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है।

तहरीर के अनुसार, बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद को शांत कराने के लिए पूनम मौके पर पहुंची थीं। आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए अचानक हमला कर दिया और चाकू, लाठी-डंडों से मारपीट की। शोर सुनकर जब पूनम के पति वीरपाल और उनकी सास बचाने आए, तो हमलावरों ने उन्हें भी निशाना बनाया और लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया।

घटना में तीनों को खुली व अंदरूनी चोटें आई हैं। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं और गांव में आए दिन विवाद करते रहते हैं, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना रहता है। थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने बताया कि मामला जानकारी में नहीं है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा के मद्देनजर अमरोहा में ट्रैफिक प्लान लागू—तीन दिन भारी वाहनों की नो-एंट्री

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेन्द्र यादव

अमरोहा। होमगार्ड भर्ती-2025 की प्रस्तावित लिखित परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने अमरोहा शहर में विशेष यातायात योजना लागू कर दी है। 25, 26 और 27 अप्रैल को होने वाली परीक्षा के दौरान शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह व्यवस्था प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगी।

प्रशासन के अनुसार, जनपद के 10 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। परीक्षा के दौरान शहर में जाम की स्थिति न बने और अभ्यर्थियों को समय से केंद्रों तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए यह विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है।

इस दौरान गैस, पेट्रोल, डीजल और मेडिकल सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर सभी भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक रहेगी। प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किए हैं, जिनके तहत मुरादाबाद, नौगांवा सादात और दिल्ली जाने वाले वाहनों को बाईपास और अन्य निर्धारित मार्गों से होकर गुजरना होगा। शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहेगा, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। साथ ही ई-रिक्शा और ऑटो के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे शहर के अंदर अनावश्यक भीड़ न हो।

पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित रूट डायवर्जन का पालन करें और यातायात नियमों का उल्लंघन न करें। अधिकारियों का कहना है कि यह व्यवस्था आमजन की सुविधा और अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

तीन दिन तक लागू रहने वाला यह ट्रैफिक प्लान शहरवासियों के लिए थोड़ी असुविधा जरूर पैदा कर सकता है, लेकिन परीक्षा की सुचारू व्यवस्था के लिए इसे जरूरी कदम माना जा रहा है।

पुलिस लाइन में गूंजे कदमताल के सुर—एसपी ने परेड का लिया जायजा, रिक्रूट्स में दिखा जोश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। पुलिस लाइन स्थित मंडी समिति परिसर में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक परेड महज औपचारिकता नहीं, बल्कि अनुशासन और तैयारी की सजीव तस्वीर बनकर सामने आई। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया और जवानों के कदमताल, एकरूपता व टर्नआउट को बारीकी से परखा।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने परेड में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस बल की पहचान उसका अनुशासन और पेशेवर व्यवहार है, जिसे हर हाल में बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने परेड को और प्रभावी बनाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

इस मौके पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों की प्रस्तावित पासिंग आउट परेड को लेकर फाइनल रिहर्सल भी कराया गया। रिक्रूट्स की तालमेल भरी चाल, आत्मविश्वास और ऊर्जा ने माहौल को जीवंत कर दिया। एसपी ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि यह समर्पण ही आगे चलकर उन्हें एक जिम्मेदार पुलिसकर्मी बनाएगा।

अपने संबोधन में एसपी ने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए मूल्यों और कौशल को सेवा काल में भी कायम रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए।

साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि पासिंग आउट परेड को भव्य, सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाने के लिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारियों ने भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया। परेड में दिखा अनुशासन और जोश यह संकेत दे रहा था कि आने वाले समय में अमरोहा पुलिस को नए और ऊजार्वान सिपाही मिलने वाले हैं, जो कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

पुल के पास बेखौफ गुंडागर्दी: राह चलते युवक पर हमला, जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े दबंगई का मामला सामने आया है, जहां काम से लौट रहे एक युवक के साथ चार युवकों ने बेवजह गाली-गलौच करते हुए मारपीट कर दी। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। ग्राम सुतावली की मढैया निवासी नानकचन्द ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 22 अप्रैल को हरियाणा से काम करके वापस अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह गंगानगर के पुल के पास पहुंचा, तभी पहले से मौजूद सुमित, करन, अभिषेक और दीपचन्द ने उसे रोक लिया। आरोप है कि चारों ने बिना किसी कारण गाली-गलौच शुरू कर दी और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में नानकचन्द को गंभीर चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने किसी तरह खुद को संभालते हुए थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद/संभल/बिजनौर
संभल
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने पोषण व्यवस्था पर जताई नाराजगी, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद में कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन, पोषण पुनर्वास और आंगनबाड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सैम-मैम (गंभीर तीव्र कुपोषित एवं मध्यम तीव्र कुपोषित) बच्चों के चिन्हांकन में कमी पाए जाने तथा जनपद की पोषण रैंकिंग प्रभावित होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत चिन्हांकन सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जहां चिन्हांकन कार्य में कमी पाई गई है, वहां तत्काल नोटिस जारी कर जवाबदेही तय की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि चिन्हित कुपोषित बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए तथा उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में समय पर रेफर किया जाए। साथ ही सभी बच्चों को आवश्यक दवाइयों का वितरण और पोषण ट्रैकर पोर्टल पर समय से फीडिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण गर्म पका भोजन, टेक होम राशन वितरण और पोषण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सभी केंद्रों पर निर्धारित मानकों के अनुसार बेबी फ्रेंडली फर्नीचर की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित कराने को कहा, ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल वातावरण मिल सके। जहां फर्नीचर उपलब्ध नहीं है या क्षतिग्रस्त है, वहां प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति के निर्देश दिए गए। सभी सीडीपीओ को निर्देश दिए गए कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों का नियमित वजन कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि वजन कराने या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित सीडीपीओ और आंगनबाड़ी कार्यकत्री के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान पोषण ट्रैकर पर फीडिंग की स्थिति, पोषाहार वितरण, ई-कवच पोर्टल, सैम बच्चों का एनआरसी में रेफरल तथा वजन मशीनों की उपलब्धता सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपद में हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पुस्तकें एवं मेडल देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बेजुबान पक्षियों के लिए गर्मियों में छत पर पानी व दाना रखे : महन्त महेन्द्र कुमार शर्मा

दैनिक बुलंद मंजिल
हरीश कुमार

ठाकुरद्वारा। शुक्रवार को ग्राम पंचायत शेरपुर पट्टी निवासी महन्त महेन्द्र कुमार शर्मा से सवांददाता की प्रेंस वार्ता हुई । जिसमे उन्होंने ने सर्व प्रथम बताया में इस में ग्राम पंचायत प्रधान पद का दावेदार भी हूँ । समाजिक कार्य के अन्तर्गत पर्यावरण संरक्षण जागरुकता गतिविधि के अन्तर्गत बताया । जैसे आज के समय में अप्रैल माह में ज्यादा गर्मी होने के कारण गरमियों में बेजुबान पक्षियों के लिए छत पर पानी और दाना रखना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें गर्मी में प्यास और भूख से राहत मिलती है. यह एक नैतिक धर्म और कर्म माना जाता है.विस्तार सेःनैतिक धर्मः गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी और दाना रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि वे अपनी प्यास और भूख मिटाने के लिए हमारे आसपास ही रहते हैं ।प्रकृति का हिस्साः पशु-पक्षी भी प्रकृति का हिस्सा हैं और उन्हें भी जीने के लिए पानी और खाने की जरूरत होती है ।सुखद अनुभवः पक्षियों को दाना-पानी देकर हम उन्हें खुश करने और उनकी मदद करने का एक अच्छा तरीका खोज सकते हैं ।सही समयःगर्मी का मौसम पक्षियों के लिए सबसे मुश्किल समय होता है, इसलिए इस समय दाना-पानी रखना बहुत महत्वपूर्ण है ।छत पर पक्षियों को दाना डालने के शुभ फल ऐसा माना जाता है कि जब घर की छत पर पक्षी एकत्र होते हैं, तो यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, जिससे घर में सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है. पक्षियों को दाना डालना एक दयालुता का काम माना जाता है, जो घर में करुणा और सहानुभूति की भावना को बढ़ावा देता है ।

कटघर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : डकैती की साजिश नाकाम, 7 बदमाश गिरफ्तार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो
मुरादाबाद

। थाना कटघर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए डकैती की योजना बना रहे 7 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं जानकारी के अनुसार, 24 अप्रैल 2026 की रात करीब 12:20 बजे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत कटघर क्षेत्र में चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रामपुर रोड से रामगंगा किनारे हाफिज शाह की मजार की ओर जाने वाले रास्ते पर एक बिना नंबर प्लेट की कार में कुछ लोग डकैती की योजना बना रहे हैं सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कार सवार सभी 7 आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से .315 बोर के देशी तमंचे, जिंदा कारतूस, चाकू, मोबाइल फोन और नकदी बरामद हुई। वहीं कार से रस्सी, हथौड़ी, सब्बल, लोहे की रॉड, टॉर्च, पेचकस, लीवर, कीलें, खाली बैग, डंडे और लोहे की चेन जैसे उपकरण भी मिले पकड़े गए आरोपियों में इरशाद उर्फ चिकना ने पूछताछ में बताया कि वह एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार चल रहा था। सभी आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे सुनसान इलाकों में बने बड़े मकानों को निशाना बनाकर हथियारों के बल पर डकैती डालने की योजना बना रहे थे पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, कई थानों के प्रभारी बदले

दैनिक बुलंद मंज़िल/
संवाददाता रामौतार शर्मा

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई संभल

संभल। की कानून व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने शुक्रवार को भारी प्रशासनिक फेरबदल किया है। जारी आदेश के अनुसार, जिले के 17 निरीक्षकों व उप-निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया गया है। इसमें कई थाना प्रभारियों को इधर से उधर किया गया है, जबकि कुछ को पुलिस लाइन भेजा गया है।?इन निरीक्षकों की बदली जिम्मेदारी ?पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी सूची के ?संजीव कुमार बालियान को नखासा से थाना हयात नगर का प्रभारी बनाया गया है।?उमेश सिंह अब हयात नगर से थाना नखासा की कमान संभालेंगे।?सुधीर पंवार को हजरतनगर गढ़ी से थाना सम्भल भेजा गया है।?राजीव कुमार गुन्नौर से बदलकर थाना बहजोई भेजे गए हैं। ?जितेंद्र कुमार वर्मा कैलादेवी से थाना कुढ़फतेहगढ़ व राधेश्याम शर्मा आरटीसी से थाना कैलादेवी के प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।साइबर सेल के प्रभारी अजय कुमार को साइबर क्राइम थाने की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पुष्पेन्द्र सिंह चौहान को फील्ड यूनिट से हटाकर साइबर सेल का प्रभारी बनाया गया है।?पुलिस लाइन भेजे गए कई अधिकारी ?प्रशासनिक सुधार के तहत अमरीश कुमार साइबर क्राइम थाना व गजेन्द्र सिंह सम्भल थाना को उनके वर्तमान पदों से हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। वहीं, लोकेन्द्र त्यागी को कुढ़फतेहगढ़ से अपराध शाखा में स्थानांतरित किया गया है। ?उप-निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव ?निरीक्षकों के साथ-साथ कई उप-निरीक्षकों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं, ?संजय कुमार को पीआरओ/मीडिया सेल से हटाकर थानाध्यक्ष हजरतनगर गढ़ी बनाया गया है।?एक अन्य संजय कुमार को धनारी से हटाकर थानाध्यक्ष गुन्नौर की जिम्मेदारी मिली है।?अखिलेश कुमार प्रधान जुनावई से थानाध्यक्ष धनारी बनाए गए हैं, जबकि धीरज सिंह को पुलिस लाइन से थानाध्यक्ष जुनावई भेजा गया है।?मोहित कुमार काजला को पुलिस अधीक्षक का नया पीआरओ और मीडिया सेल प्रभारी नियुक्त किया गया है।?संदीप कुमार शर्मा को द्वितीय पीआरओ के पद पर तैनात किया गया है।?पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। इस फेरबदल को अपराध नियंत्रण और जनहित में उठाया

राजकीय इंटर कॉलेज भिरावटी की सुप्रिया यादव ने 87:16% अंक प्राप्त कर किया विद्यालय व गांव का नाम किया रोशन

दैनिक बुलंद मंज़िल

गुन्नौर। राजकीय इंटर कॉलेज, भिरावटी की कक्षा दस की छात्रा सुप्रिया ने यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में 87.16 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय, परिवार और पूरे गांव का नाम रोशन किया है। सुप्रिया की इस उल्लेखनीय सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों ने उसे उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। सुप्रिया शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी और परिश्रमी रही है। उसने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और विद्यालय के शिक्षकों को दिया है। उसने बताया कि नियमित अध्ययन, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया। सुप्रिया का कहना है कि वह आगे चलकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने सुप्रिया की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उसकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद छात्र-छात्राएं कड़ी मेहनत और लगन से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। सुप्रिया की इस उपलब्धि पर गांव के लोगों ने भी गर्व जताया और उसके घर पहुंचकर बधाई दी। ग्रामीणों का कहना है कि सुप्रिया ने यह साबित कर दिया कि यदि मन में कुछ करने का जज्बा हो तो परिस्थितियां बाधा नहीं बन सकतीं।

तेज रफ्तार डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, 2 की मौत, 14 घायल

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो
मुरादाबाद।

जनपद में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां शादी में भात देकर लौट रहे लोगों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है जानकारी के अनुसार सभी लोग शादी समारोह में शामिल होकर भात देकर अपने गांव वापस लौट रहे थे। सुबह के समय जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली हाईवे पर पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली में सवार लोग सड़क पर जा गिरे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 14 घायलों का उपचार जारी है पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

डीएम जसजीत कौर ने राजस्व एवं जन शिकायतों की समीक्षा बैठक

दैनिक बुलंद मंज़िल/उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक की। बैठक में न्यायिक कार्यों, जन शिकायतों के निस्तारण, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना, जाति, निवास एवं मूल प्रमाण-पत्रों की प्रगति तथा लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही राजस्व वसूली में तेजी लाते हुए लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने प्रमाण-पत्रों के निर्गमन में पारदर्शिता एवं तत्परता बरतने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

श्री बारहसैनी रामलीला रामबाग ट्रस्ट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल / यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मौलागढ़, चंदौसी-बहजोई रोड में श्री बारहसैनी रामलीला रामबाग ट्रस्ट, रामबाग चंदौसी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया। दीप प्रज्वलन राजेश शंकर 'राजू चेयरमैन, बहजोई, बसंत शंकर मैनेजिंग डायरेक्टर, राजीव गुप्ता एवं वैभव शंकर द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट के समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। नवनिर्वाचित प्रमुख पदाधिकारी५प्रधान मौसम गुप्ता,उपप्रधान दीपक गुप्ता 'दाल वाले' मंत्री अमित के०एस० वार्ष्णेय, उप मंत्री गौरव वार्ष्णेय , कोषाध्यक्ष राकेश आर्य,आय-व्यय निरीक्षक गौरव वार्ष्णेय,कोठारी अंकित वार्ष्णेय कार्यकारिणी सदस्य प्रतीक वार्ष्णेय 'किटू', गणेश चौधरी, कौशल वार्ष्णेय 'शीरा', मयंक 'चिंकल', यश गुप्ता 'संजय किराना', दीपांशु वार्ष्णेय, कौशल किशोर 'वन्देमातरम', करन वार्ष्णेय, हिमांशुल वार्ष्णेय, रजनीश कुमार,अभय वार्ष्णेय, मोहित वार्ष्णेय , प्रमोद गांधी, प्रदीप 'ठेकेदार', ऋतिक वार्ष्णेय, स्पर्श वार्ष्णेय , अजय जी एल सी , मनोज कुमार 'श्याम', मनोज कुमार 'शोभाराम', किंग वार्ष्णेय। कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य कपिल दीप वार्ष्णेय, उपप्रधानाचार्य शुभम् अग्रवाल, एडमिनिस्ट्रेटर शोभित राघव, पुष्पेन्द्र सिंह, सोनी अग्रवाल, नंदिता शर्मा, नितीन शर्मा, गीतिका मिश्रा, सिमरन महाजन सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। अंत में ट्रस्ट के अध्यक्ष ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

ग्राम चौपाल में सुनी गईं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

बुलन्द मंज़िल
सलमान यूसुफ

मुरादाबाद । विकास खंड कुंदरकी के ग्राम जेतीया फिरोजपुर एवं जैतपुर पट्टी में शासन के निर्देश पर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने किया। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए विधायक ने स्पष्ट कहा कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चौपाल में स्वास्थ्य, ग्राम विकास, पंचायती राज, समाज कल्याण, राजस्व, पूर्ति, कृषि, विद्युत, पुलिस तथा महिला एवं बाल कल्याण विभाग सहित कई विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई और लाभार्थियों का सत्यापन भी किया गया उन्होंने कहा कि यदि कोई पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित है तो वह जानकारी दे, उसे हर हाल में लाभ दिलाया जाएगा। ग्राम चौपाल का उद्देश्य गांव स्तर पर ही समस्याओं का समाधान कर योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना है चौपाल के दौरान विद्युत विभाग से जुड़े मीटर संबंधी और पूर्ति विभाग के यूनिट संबंधी शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया, वहीं कई किसानों ने फॉर्मर रजिस्ट्री के लिए आवेदन भी किया इस अवसर पर बीडीओ कुंदरकी राजेंद्र सिंह, एडीओ पंचायत कुलदीप सिंह, जेई विद्युत सुरेश कुमार, चकबंदी विभाग के राम अवतार सिंह, राजस्व विभाग के अकील अहमद, श्रम विभाग के राजीव कुमार, पशुपालन विभाग के नितिन तोमर सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं रखीं।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा
संभल
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

हसनपुर में प्रसव के दौरान महिला की मौत, अस्पताल की लापरवाही पर बवाल

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। थाना गजरौला क्षेत्र के गांव सुल्तान ठेर निवासी एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद निजी अस्पताल पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगे हैं। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाला। मृतका रजनी (पत्नी नेपाल सिंह) को गुरुवार दोपहर प्रसव पीड़ा होने पर हसनपुर बाईपास स्थित एक हॉस्पिटलह्न में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के दौरान चिकित्सकों ने गंभीर लापरवाही बरती, जिसके चलते महिला की हालत अचानक बिगड़ गई। स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल प्रबंधन ने उसे आनन-फानन में मेरठ रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही रजनी ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ मौके से फरार हो गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल संचालक ने खुद ऑपरेशन न कराकर किसी अन्य डॉक्टर से प्रसव कराया, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। सूचना पर क्राइम इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी हरकत में आया। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी डॉ. धुर्वेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना के बीच राहत की बात यह रही कि नवजात शिशु पूरी तरह सुरक्षित है। हालांकि, रजनी अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई है, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन से दोषी डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सही इलाज मिलता, तो महिला की जान बचाई जा सकती थी। फिलहाल पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की जांच के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

ईवीएम वेयरहाउस पर सख्त निगरानी, डीएम ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने शुक्रवार को भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुपालन में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लेते हुए डबल लॉक सिस्टम और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को परखा। निरीक्षण में सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं और वेयरहाउस पूरी तरह सुव्यवस्थित व सुरक्षित मिला। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इन मशीनों का सुरक्षित रखरखाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से निर्वाचन आयोग द्वारा वेयरहाउस का नियमित मासिक निरीक्षण अनिवार्य किया गया है। डीएम ने वेयरहाउस में रखी मशीनों की सीलिंग व्यवस्था, प्रवेश-नियंत्रण प्रणाली और निगरानी तंत्र का भी गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाए। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी चंद्रकांता सहित निर्वाचन कार्यालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने डीएम को वेयरहाउस की सुरक्षा और रखरखाव से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। कुल मिलाकर निरीक्षण के दौरान ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त पाई गई, जिससे आगामी चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने की तैयारियों को बल मिला है।

वारंटी पर चला कानून का शिकंजा, गजरौला पुलिस ने दबोचा आरोपी

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गजरौला पुलिस ने एक और वारंटी को गिरफ्तार कर अपनी सक्रियता का परिचय दिया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रही इस कार्रवाई को अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में अंजाम दिया गया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में थाना गजरौला पुलिस टीम ने ग्राम ख्यालीपुर निवासी नन्हू उर्फ हरप्रसाद पुत्र रामऔतार को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ न्यायालय द्वारा एनबीडब्ल्यू (गैर जमानती वारंट) जारी किया गया था। यह वारंट मु0नं0 9410/2024, अपराध संख्या 6/23, धारा 147, 323, 341 भादवि के तहत लंबित था। पुलिस के अनुसार, आरोपी काफी समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। लगातार तलाश के बाद पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय सीजेएम अमरोहा के समक्ष पेश किया गया, जहां आगे की विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराधियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी हाल में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का संदेश साफ तौर पर दिखाई दे रहा है।

75 साल बाद गांव तक पहुंची रोडवेज, जेवड़ा शाहबाजपुर से दिल्ली तक बस सेवा शुरू

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक पहल करते हुए उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने गांवों को शहर से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसी क्रम में ग्राम जेवड़ा शाहबाजपुर को आजादी के 75 साल बाद पहली बार रोडवेज बस सेवा से जोड़ा गया है। अब सहवाजपुर से चलकर हाकमपुर, हत्यिखेड़ा, तीसरा मिल होते हुए यह बस हसनपुर और गजरौला के रास्ते सीधे आनंद विहार (दिल्ली) तक पहुंचेगी। बस सेवा के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वर्षों से परिवहन सुविधा के अभाव में जूझ रहे ग्रामीणों को अब सीधे दिल्ली तक आने-जाने का सस्ता और सुविधाजनक साधन मिल गया है। यह बस आनंद विहार से सुबह 10:30 बजे वापस चलकर दोपहर करीब 1:00 बजे शाहबाजपुर पहुंचती है, जिससे यात्रियों को समयबद्ध और नियमित सुविधा मिल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सेवा के शुरू होने से रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार के अवसरों में वृद्धि होगी। खासतौर पर दिल्ली और गजरौला जैसे प्रमुख शहरों से सीधा जुड़ाव होने से क्षेत्र का विकास तेजी से होने की उम्मीद है। इस महत्वपूर्ण पहल पर क्षेत्रवासियों ने उत्तर प्रदेश सरकार और परिवहन विभाग का तहे दिल से आभार व्यक्त किया है। ग्राम प्रधान बबली जी ने भी लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग इस बस सेवा का उपयोग करें, ताकि यह सेवा लगातार संचालित होती रहे और बंद होने की नौबत न आए। यह बस सेवा न केवल गांव और शहर के बीच की दूरी को कम करेगी, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास में भी अहम भूमिका निभाएगी।

शाहबाद पुलिस ने किया दंगा नियंत्रण उपकरण का अभ्यास

दैनिक बुलंद मंज़िल/ विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। शुक्रवार को शाहबाद थाने पर पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना के आदेशानुसार क्षेत्राधिकारी देवकी नंदन शाहबाद के कुशल नेतृत्व में, प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार व थाना पर मौजूद समस्त फोर्स की मौजूदगी में शांति व्यवस्था के दृष्टिगत कस्वा शाहबाद में दंगा नियंत्रण उपकरण का अभ्यास किया गया । जिस दौरान शाहबाद पुलिस के द्वारा शांति व्यवस्था को लेकर फ्लैग मार्च भी किया गया।

इंटर में फेल होने पर छात्र ने ओवरब्रिज से लगाई छलांग, गंभीर घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

धामपुर/शेरकोट। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम आने के बाद एक छात्र ने तनाव में आकर रेलवे ओवरब्रिज से रेलवे लाइन पर छलांग लगा दी। हादसे में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार शेरकोट निवासी छात्र देवांश इंटरमीडिएट परीक्षा में असफल हो गया था। परिणाम आने के बाद वह काफी तनाव में था। गुरुवार देर शाम बिना घरवालों को बताए वह धामपुर के नगीना चौराहा स्थित नहटौर रोड रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंचा। वहां से उसने नीचे रेलवे लाइन पर छलांग लगा दी।गनीमत रही कि उस समय रेलवे ट्रैक पर कोई ट्रेन नहीं आ रही थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। रेलवे लाइन के पास झुग्गियों में रहने वाले लोगों ने तुरंत छात्र को ट्रैक से हटाकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायल छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल छात्र का इलाज जारी है।

कब्रिस्तान के पास पड़ा कूड़े का ढेर में लगी आग

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर । नगर के पुरानी बाजार क्षेत्र में स्थित कब्रिस्तान के पास कूड़ा निस्तारण को लेकर नगर पंचायत कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई है। स्थानीय व्यापारियों और लोगों का आरोप है कि कर्मचारी कूड़ा उठाने तो आते हैं, लेकिन केवल थोड़ा-सा कूड़ा उठाकर बाकी में आग लगा देते हैं। बताया जा रहा है कि इन दिनों तेज हवाओं के चलते हालात और भी खतरनाक हो गए हैं। कूड़े में लगाई गई आग की लपटें तेजी से फैलती हैं, जिससे आसपास के दुकानदारों और लोगों में आग लगने का डर बना रहता है। व्यापारियों ने कई बार कर्मचारियों से पूरा कूड़ा उठाने की बात कही, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कब्रिस्तान के बराबर और बाजार के सामने इस तरह आग लगाना कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। उन्होंने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि कूड़ा निस्तारण की सही व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी अनहोनी से बचा जा सके।

शादी के चंद दिन बाद उजड़ा सुहाग: मीनार से गिरकर युवक की मौत

मृतक फहीम का फाइल फोटो

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। थाना क्षेत्र के गांव ढबारसी में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। मस्जिद की मीनार पर लाइट फिटिंग का काम कर रहे 22 वर्षीय युवक की करंट लगने से गिरकर मौत हो गई। दो दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद शुक्रवार को उसने दम तोड़ दिया। महज 26 दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, जिससे घर में मातम और भी गहरा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, फहीम पुत्र नौशाद पेशे से इलेक्ट्रीशियन था और हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव अगरौला कलां स्थित एक मस्जिद में लाइट फिटिंग का काम कर रहा था। बुधवार शाम वह मीनार की ऊंचाई पर चढ़कर काम कर रहा था, तभी अचानक उसे तेज करंट का झटका लगा। करंट लगते ही उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल नीचे आ गिरा।

गिरते ही फहीम गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही बेहोश हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे मेरठ के एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, जहां दो दिन तक इलाज चला, लेकिन शुक्रवार को उसकी सांसें थम गईं। फहीम की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। खासतौर पर उसकी पत्नी निशा, जिनसे उसकी शादी 29 मार्च को हुई थी, इस सदमे को सहन नहीं कर पा रही हैं। परिवार में वह सबसे बड़ा बेटा था और घर की जिम्मेदारियां उसी के कंधों पर थीं। उसके असमय निधन से परिवार आर्थिक और मानसिक दोनों रूप से टूट गया है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। साथ ही इस घटना ने एक बार फिर ऊंचाई पर काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उचित सुरक्षा उपकरण और सावधानियां बरती जातीं, तो शायद यह हादसा टल सकता था। यह घटना न केवल एक परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी का एक गंभीर उदाहरण भी बन गई है।

पालिकाध्यक्ष पीलीभीत की सराहनीय पहल ने जीता जनता का दिल , इलाके में चर्चा

भीषण गर्मी में चार टमटम से महिलाएं द्वारा रहागीरों को पिलाया जा रहा ठंडा पानी

दैनिक बुलंद मंज़िल
/मीनू गौरव गुप्ता

पीलीभीत। जहां एक तरफ भीषण गर्मी से लोग बेहद परेशान हैं और वह छांव एवं ठंडे पानी को ढूंढ रहे हैं तो ऐसे में उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत की तेज तर्रार निडर जनता के बीच में हमेशा काम करने वाली पीलीभीत की अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल के द्वारा एक सराहनीय पहल को रूप दिया गया है। जिसमें वाटर कूलर से लैस ई-रिक्शा टमटम के माध्यम से ठंडा पानी राहगीरों को पिलाने का कार्य किया जा रहा है यह मानव सेवा का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री बलदेव सिंह औलख के द्वारा फीता काटकर किया गया है। हमारे ब्यूरो मीनू गौरव गुप्ता को पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक चरण में चार ई रिक्शा के माध्यम से हर ई रिक्शा पर महिला को गठन कर ठंडा पानी पिलाया जा रहा है और इसके बाद भी आगे के चरण में और भी ई-रिक्शा टमटम की संख्या बढ़ाई जा सकती है। वही उत्तर प्रदेश सरकार के बीजेपी केबिनेट मंत्री बलदेव सिंह औलख ने पालिका अध्यक्ष डॉक्टर आस्था अग्रवाल की इस सराहनीय पहल की बड़ी सराहना की है। और उन्होंने अन्य पालिका एवं नगर पंचायत के अध्यक्षों से भी इस तरीके के पहला को करने की आग्रह किया है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद , पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, पीलीभीत डी एम ज्ञानेंद्र सिंह, एस पी सुकीर्ति माधव, पूर्व विधायक किशन लाल, रेखा सिंह परिहार , इंद्रेश चौहान, साकेत सक्सेना सभासद एवं आदि भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

किरतपुर में नए ट्यूबवेल का शुभारंभ, कई मोहल्लों को मिलेगी बेहतर जलापूर्ति

चेयरमैन अब्दुल मन्नान के छोटे भाई मोहम्मद शादान ने किया ट्यूबवेल का शुभारंभ

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

किरतपुर। चेयरमेन अब्दुल मन्नान के छोटे भाई मौहम्मद शादान ने मोहल्ला अहमद खेल स्थित नए ट्यूबवेल का बटन दबाकर शुभारंभ किया। ट्यूबवेल चालू होने से आसपास के मोहल्लों चमारान, बागबानान, अहमद खेल, कस्साबान, लूहारान एवं अफगानान क्षेत्र में भरपूर पानी की आपूर्ति होगी। नए ट्यूबवेल के शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। स्थानीय लोगों ने इसे गर्मी के मौसम में बड़ी राहत बताते हुए नगर पालिका का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर चेयरमेन अब्दुल मन्नान ने कहा कि उनका प्रयास है कि नगर के किसी भी मोहल्ले में गर्मी के दौरान पानी की कमी न होने पाए। यदि कहीं जलापूर्ति से संबंधित कोई समस्या आती है तो तुरंत अवगत कराया जाए, ताकि उसका शीघ्र समाधान कराया जा सके।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

फैटी लिवर बन रहा साइलेंट किलर : गलत खानपान से बढ़ रहा खतरा, डॉक्टर संदीप कुमार ने जारी की डाइट एडवाइजरी

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । बदलती जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के चलते आजकल Fatty Liver Disease तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। खास बात यह है कि यह बीमारी शुरूआती दौर में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के बढ़ती रहती है, जिससे लोग समय रहते सतर्क नहीं हो पाते और बाद में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संदीप कुमार ने बताया कि अत्यधिक तला-भुना भोजन, मीठे पदार्थ, जंक फूड और शराब का सेवन इस बीमारी के प्रमुख कारण हैं। यदि समय रहते खानपान और जीवनशैली में सुधार नहीं किया गया, तो यह समस्या लिवर डैमेज, सूजन और अन्य गंभीर बीमारियों का रूप ले सकती है। संतुलित आहार ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय डॉ. संदीप कुमार के अनुसार, सही डाइट अपनाकर फैटी लिवर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए रोजाना आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और ब्रोकोली को शामिल करना चाहिए, जो लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करती हैं। साथ ही ओट्स, दलिया, ब्राउन राइस और किनोआ जैसे साबुत अनाज फायदेमंद माने जाते हैं, क्योंकि इनमें मौजूद फाइबर शरीर में जमा अतिरिक्त वसा को कम करने में सहायक होता है। पपीता, संतरा, जामुन और बेरीज जैसे फाइबर युक्त फल भी पाचन को बेहतर बनाते हैं और लिवर पर भार कम करते हैं। लहसुन, अदरक और हल्दी का नियमित सेवन लिवर की सूजन कम करने में मददगार है। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी पीना शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में सहायक होता है। अखरोट और विभिन्न बीजों का सेवन भी लिवर के लिए लाभकारी बताया गया है। इन चीजों से बनाएं दूरी डॉ. संदीप कुमार ने चेतावनी दी है कि कोल्ड ड्रिंक, मिठाई, केक और अन्य मीठे पदार्थों का अधिक सेवन लिवर में फैट जमा करता है। इसके अलावा पिज्जा, बर्गर, फ्राइज और समोसे जैसे जंक फूड से भी दूरी बनाना जरूरी है। मैदा और सफेद ब्रेड, रेड मीट और प्रोसेस्ड मीट (जैसे सॉसेज और बेकन) का सेवन भी नुकसानदायक हो सकता है। वहीं शराब और धूम्रपान को फैटी लिवर का सबसे बड़ा कारण माना गया है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। अधिक नमक और अचार का सेवन भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जीवनशैली में बदलाव जरूरी डॉ. संदीप कुमार का कहना है कि संतुलित आहार के साथ-साथ नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रण और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना बेहद जरूरी है। इससे इस बीमारी को शुरूआती स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। फैटी लिवर एक ऐसी समस्या है जिसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। समय रहते सही खानपान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इससे बचाव संभव है। लापरवाही करने पर यह बीमारी गंभीर रूप ले सकती है, इसलिए अभी से सतर्क रहना ही समझदारी है।

चांदपुर रुकनपुर की बेटी ने बढ़ाया मान : नेहा सैनी ने यूपी बोर्ड 10वीं में जनपद में चौथा स्थान किया हासिल

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) द्वारा घोषित हाईस्कूल (कक्षा 10) के परीक्षा परिणाम में बिजनौर जनपद की चांदपुर तहसील स्थित ग्राम रुकनपुर की प्रतिभाशाली छात्रा नेहा सैनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद में चौथा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सेंट स्टीफन हाई स्कूल, फैजीपुर की मेधावी छात्रा नेहा सैनी ने कुल 600 अंकों में से 555 अंक हासिल किए, जो कि 92.50 प्रतिशत है। इस शानदार सफलता ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे विद्यालय और क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। नेहा की इस उपलब्धि से गांव रुकनपुर में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। परिजन, रिश्तेदार और ग्रामीण उनकी इस सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। नेहा की मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन को उनकी सफलता का मुख्य आधार बताया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने भी नेहा सैनी की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणादायक है। स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि नेहा शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उन्होंने अपनी लगन व कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। नेहा सैनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय के सहयोगी वातावरण को दिया है। उन्होंने बताया कि नियमित अध्ययन, समय का सही प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही उनकी सफलता का राज रहा। परिणाम घोषित होने के बाद से ही नेहा को लगातार फोन कॉल और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयां मिल रही हैं। क्षेत्र के गणमान्य लोगों और शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नेहा की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि अगर मेहनत और लगन सच्ची हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

चांदपुर में एंटी रोमियो टीम का सख्त पहरा : कॉलेज में चेकिंग, छात्राओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । जनपद बिजनौर के चांदपुर क्षेत्र में महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। इसी क्रम में महिला थाना चांदपुर की एंटी रोमियो टीम ने वैदिक कन्या इंटर कॉलेज, चांदपुर में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।
अभियान के दौरान टीम ने कॉलेज परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में गहन चेकिंग की तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें निडर होकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए जागरूक किया। टीम ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति या उत्पीड़न की स्थिति में छात्राएं तुरंत निम्न नंबरों पर संपर्क कर सकती हैं–
वूमेन पावर लाइन झ 1090
महिला हेल्पलाइन झ 181
पुलिस आपातकालीन सेवा झ 112 स्वास्थ्य सेवा झ 102, 108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन झ 1076
चाइल्ड लाइन झ 1098
साइबर क्राइम हेल्पलाइन झ 1930
पुलिस द्वारा छात्राओं को पंपलेट वितरित कर उन्हें उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सतर्कता बरतने के तरीकों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यह भी अपील की गई कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। महिला थाना चांदपुर की एंटी रोमियो टीम का यह अभियान छात्राओं में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कूड़े के ढेर में लगी आग से जहरीला धुआं बना आफत : बास्टा-अहरौला मार्ग पर लोगों का जीना हुआ मुश्किल

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । तहसील क्षेत्र के बास्टा के अहरौला गांव स्थित नाई वाले तालाब के पास सड़क किनारे पड़े कूड़े के ढेर में अचानक आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग से उठ रहा जहरीला धुआं राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। बताया जा रहा है कि इस मार्ग से दर्जनों गांवों के लोग रोजाना आवागमन करते हैं। यही रास्ता अमरोहा जनपद के चुचेला कलां होते हुए दिल्ली जाने के लिए भी प्रमुख मार्ग माना जाता है। ऐसे में कूड़े में लगी आग और उससे उठते धुएं ने लोगों का निकलना तक दुश्वार कर दिया है। भीषण गर्मी और लू भरी हवाओं के चलते आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया, जिससे गांव बोहरा और हलुपुरा तक जहरीला धुआं फैल गया। धुएं के कारण स्थानीय लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और वातावरण पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है। ग्रामीणों का आरोप है कि बास्टा और बीबीपुरा कस्बों का कूड़ा सफाई कर्मियों द्वारा नाई वाले तालाब में डाला जाता है, लेकिन पिछले कई महीनों से लापरवाही चरम पर है। सफाईकर्मी कूड़े से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को सड़क किनारे ही पलटकर चले जाते हैं, जिससे सड़क संकरी हो गई है और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। स्थिति और भी गंभीर तब हो जाती है जब मरे हुए जानवरों को भी सड़क किनारे फेंक दिया जाता है, जिससे दुर्गंध फैल रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों और ग्रामीणों को इस जहरीले धुएं के बीच से गुजरना पड़ रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि लाखों रुपये की लागत से बने कूड़ा निस्तारण केंद्र का सही उपयोग किया जाए और सड़क किनारे कूड़ा डालने पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो कोई बड़ी अनहोनी घटना हो सकती है।

बूंदरा की बेटी प्राची ने रचा इतिहास : यूपी बोर्ड हाईस्कूल में 94.17% अंक लाकर बिजनौर में हासिल किया दूसरा स्थान

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की कक्षा 10वीं का परिणाम घोषित होते ही जिले में खुशी की लहर दौड़ गई। इस बीच चांदपुर तहसील के बूंदरा गांव की मेधावी छात्रा प्राची ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे जनपद में दूसरा स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया। किसान इंटर कॉलेज, केलनपुर की छात्रा प्राची ने हाईस्कूल परीक्षा में 600 में से 565 अंक हासिल किए, जो 94.17 प्रतिशत है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के साथ उन्होंने न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे गांव और विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्राची की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और पढ़ाई के प्रति समर्पण को मुख्य कारण बताया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि प्राची की यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगी। जैसे ही परिणाम की जानकारी सामने आई, परिवार में जश्न का माहौल बन गया। रिश्तेदारों, मित्रों और स्थानीय लोगों ने उन्हें फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई देना शुरू कर दिया। गांव में भी खुशी का माहौल है और लोग प्राची की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। शिक्षकों और क्षेत्रीय लोगों ने प्राची के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह आगे भी इसी तरह मेहनत कर नई ऊंचाइयों को छुएंगी।

हीमपुर दीपा क्षेत्र के रावटी में खौफनाक वारदात : घर में घुसकर युवक को मारी थी गोली, मेरठ में इलाज के दौरान हुई मौत—4 दिन बाद भी आरोपी फरार

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/हीमपुर दीपा। थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के ग्राम रावटी में 20 अप्रैल की रात हुई सनसनीखेज फायरिंग की घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। घर में घुसकर एक युवक को गोली मारने के मामले में घायल युवक सौरभ की मेरठ के एक अस्पताल में उपचार के दौरान बीती रात मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है, जबकि गांव में सन्नाटा और दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 अप्रैल 2026 की रात करीब 11:30 बजे सौरभ के पिता सुदेश, निवासी ग्राम रावटी थाना हीमपुर दीपा, अपने घर में सो रहे थे। तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। दरवाजा खोलते ही बाहर खड़े तीन युवक–अंकित, अतुल और एक अज्ञात व्यक्ति–जबरन घर में घुस आए और सौरभ के बारे में पूछताछ करने लगे। बताया गया कि उस समय सौरभ एक शादी समारोह में गया हुआ था, लेकिन कुछ देर बाद वह घर लौट आया। आरोप है कि जैसे ही सौरभ घर पहुंचा, तीनों आरोपियों ने उसे घेर लिया और उनमें से एक ने तमंचे से उसके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही सौरभ गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। पीड़ित पिता के अनुसार, जब उन्होंने आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उन पर भी फायरिंग कर दी, हालांकि वह बाल-बाल बच गए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। भागते समय वे एक मोटरसाइकिल (नंबर वढ 20 अढ 1535) घटनास्थल पर ही छोड़ गए। घायल सौरभ को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर किया गया। मेरठ के अस्पताल में इलाज के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मृतक के पिता सुदेश की तहरीर पर आरोपी अंकित, अतुल और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि, घटना के चार दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी अब तक गिरफ्त से बाहर हैं, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। घटना की सूचना मिलते ही थाना हीमपुर दीपा पुलिस मौके पर पहुंची थी और जांच शुरू कर दी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। इस घटना ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

बार बार प्रशासनिक अधिकारी को खबरों व सोशल मीडिया द्वारा सुचित करने के बाद भी कार्यवाही शून्य

चांदपुर मेला बना खतरे का मैदान : कागजों में सुरक्षा, जमीनी हकीकत शून्यङ्क क्या प्रशासन हादसे का इंतजार कर रहा है

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर में चल रहा प्रदर्शनी मेला इन दिनों अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बनता जा रहा है। बार-बार प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित करने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं, जिससे लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। प्रशासन द्वारा मेले की अनुमति देते समय सुरक्षा के कड़े नियम तय किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका पालन होता नजर नहीं आ रहा। हजारों की भीड़ के बीच बुनियादी सुरक्षा इंतजाम तक नदारद हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। अनुमति शर्तों के अनुसार मेले में 15,000 लीटर क्षमता का भूमिगत जल टैंक, पानी से भरे ड्रम, हर दुकान पर फायर एक्सटिंग्विशर और बालू की बाल्टी रखना अनिवार्य था। लेकिन मौके पर इन व्यवस्थाओं का कहीं अता-पता नहीं है। न जल टैंक दिखाई देता है और न ही आग से निपटने के पर्याप्त साधन मौजूद हैं। मेले में दुकानों के बीच जरूरी दूरी का भी पालन नहीं किया गया है। दुकानें एक-दूसरे से सटी हुई हैं, जिससे आग लगने की स्थिति में हालात बेकाबू हो सकते हैं। प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग रास्तों की व्यवस्था न होने से भगदड़ का खतरा भी लगातार बना हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिन बड़े झूलों पर अनुमति में स्पष्ट प्रतिबंध था, वे भी धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। न तो वहां एम्बुलेंस की व्यवस्था है, न फर्स्ट एड की सुविधा और न ही भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नजर आते हैं। हाल ही में नजीबाबाद में झूले से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ था, जबकि कुशीनगर में झूला टूटने से 30 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। इन घटनाओं से भी कोई सबक नहीं लिया गया और चांदपुर मेले में लापरवाही जारी है। स्थानीय लोगों ने एक और गंभीर समस्या उठाई है–मेले के पास सड़क किनारे पार्किंग ठेकेदार द्वारा लोहे की सरिया गाड़कर रस्सी बांध दी गई है, जिससे सड़क संकरी हो गई है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा मेला देर रात तक चलने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। सुबह स्कूल जाने में दिक्कतों के कारण अभिभावकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि इस लापरवाही का जिम्मेदार कौन है–आयोजक, प्रशासन या संबंधित विभाग? क्या निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रह गया है यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे में बदल सकती है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि तत्काल जांच कर सुरक्षा मानकों को लागू कराया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि किसी अनहोनी से पहले हालात सुधारे जा सकें।

सहसवान नगर पालिका के नाम पर ऑटो चालकों से अवैध वसूली

दैनिक बुलंद मंज़िल
/अजयपाल यादव

बदायूं । सहसवान- सीएनजी ऑटो चालकों ने नगर पालिका के नाम पर प्रतिदिन 50-100 रुपये की अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए चालकों का कहना है कि अधिकृत स्टैंड के अलावा अन्य जगहों से भी वसूली की जा रही है। अकबराबाद, बिसौली स्टैंड, कछला स्टैंड, हरदतपुर चौराहा पर पार्किंग ठेके के नाम पर जबरन वसूली की की जा रही है।ठेकेदार के लोग पैसे न देने पर ऑटो चालकों के साथ मारपीट और अभद्रता करते थे। वहीं कुछ सूत्रों का कहना है यह पूरा मामला नगर पालिका के कर्मचारीयों के सांठगांठ से अकबराबाद चौराह रोड पर ऑटो से वसूली कर रहे हैं, जबकि वहां कोई आधिकारिक स्टैंड नहीं है।वसूली करने वाले लोग रसीद वसूली पर्ची नहीं देते या फर्जी पर्ची का इस्तेमाल करते हैं।मारपीट और बदसलूकी पैसे न देने पर ऑटो चालकों के साथ बदसलूकी की जाती है।अवैध पार्किंग स्टैंडः बिना किसी आधिकारिक मंजूरी के सड़कों पर स्टैंड बनाकर पैसे वसूले जा रहे हैं।प्रशासनिक असहायताः स्थानीय निकायों की ढिलाई के कारण वसूलीबाज सक्रिय हैं। इस तरह की अवैध वसूली का एसडीएम रिपुदमन सिंह सहसवान ने कहा कि ये मामला मेरे संज्ञान में नहीं है अगर ऐसा कुछ है तो पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

हाथरस के युवा समाजसेवी गुड्डू उर्फ रंगीला ने इगलास में अभिषेक कुमार जाटव का किया भव्य स्वागत

जय जय जय भीम के लगे जयकारों से गूंजा काफिला

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस जिले के गांव नगला अलगर्जी निवासी गुड्डू उर्फ रंगीला ने अलीगढ़ जिले के इगलास के गांव हरीरामपुर में मंगलवार को समता मूलक संघ के संस्थापक एवं द डिफेंडर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक कुमार जाटव का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संकुल जाटव और गुड्डू रंगीला के नेतृत्व में ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने गर्मजोशी के साथ अभिषेक कुमार जाटव का स्वागत किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने समाज में समानता, शिक्षा और संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए एकजुट होकर कार्य करना समय की मांग है। संकुल जाटव और गुड्डू रंगीला ने अपने संबोधन में कहा कि अभिषेक कुमार जाटव के नेतृत्व में समाज में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है और उनके विचार युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द और समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

जिले में बाइक चोरी की वारदातें बढ़ीं

अलग-अगल थाना क्षेत्रों में तीन मोटरसाइकिलें चोरी

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। जिले में बाइक चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं हैं। अलग-अगल थाना क्षेत्रों से तीन अलग-अलग बाइक चोरी होने के मामले सामने आए हैं जिससे लोगों में दहशत है। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना भुता क्षेत्र के निवासी मुकेश कुमार पुत्र महेंद्रपाल की मोटरसाइकिल 20 अप्रैल की रात करीब 10.30 बजे चोरी हो गई। वह केसरपुर स्थित श्रीश्याम पैलेस में एक बारात में शमिल होने आए थे, जंहा उनकी यामाह बाइक खड़ी थी। समारोह के दौरान अज्ञात चोर बाइक लेकर फरार हो गए। काफी तलाश के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। मुकेश की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

इज्जतनगर में इंटर कालेज के पास से स्प्लेंडर चोरी

थाना इज्जतनगर क्षेत्र में 22 अप्रैल की रात करीब 10 बजे बन्नूवाल नगर फेस-2 स्थित व्यास इंटर कॉलेज के पास अरुण यादव की स्प्लेंडर बाइक चोरी हो गई। उन्होंने थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रेलवे वर्कशॉप से पल्सर बाइक पार

थाना भोजीपुरा क्षेत्र के बिलवा निवासी सूरजपाल की पल्सर 23 अप्रैल को दिनदहाड़े चोरी हो गई। सूरजपाल रेलवे वर्कशॉप में ड्यूटी करते हैं। उन्होंने सुबह बाइक वर्कशाप के बाहर खड़ी की थी, लेकिन दोपहर 12 बजे लंच के समय बाहर आने पर बाइक गायब मिली। उन्होंने तत्काल 112 पर सूचना दी और थाने में तहरीर दी।

मुकदमें दर्ज चोरों की तलाश जारी

तीनों मामलों में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटनाओं का खुलासा किया जाएगा।

विकलांग फल विक्रेता से मारपीट, दी जान से मारने की धमकी

दुकान के सामने बैठे आरोपियों ने दी गालियां, विरोध करने पर हाथापाई का आरोप

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। थाना देवरनियां क्षेत्र के ग्राम गिरधरपुर में एक विकलांग फल विक्रेता के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम गिरधरपुर निवासी जिरार अहमद पुत्र मोहम्मद हसन, जो कि शारीरिक रूप से विकलांग हैं और फल का पल्ला लगाकर अपना जीवन यापन करते हैं, ने आरोप लगाया कि उनके पल्ले के सामने दुकान चलाने वाले सुल्तान और इस्लाम पुत्रगण अब्दुल मन्नान उनसे पुरानी रंजिश रखते हैं। पीड़ित के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 को वह अपने फल के पल्ले पर बैठे थे, तभी दोनों आरोपी वहां आए और गाली-गलौज करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने हाथापाई शुरू कर दी और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित सीधे थाना देवरनियां पहुंचे और लिखित तहरीर देकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले को दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सैलून में घुसकर की मारपीट, बाइक न देने पर युवक और भाई पर हमला

नशे में धुत युवकों ने साथियों संग बोला हमला, दहशत में दुकानदार परिवार

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। सिरौली थाना क्षेत्र में दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां बाइक न देने पर नशे में धुत युवकों ने सैलून में घुसकर दुकानदार और उसके भाई के साथ जमकर मारपीट की। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

थाना सिरौली क्षेत्र के ग्राम शिवपुरी निवासी पप्पू सलमानी, जिनकी ग्राम गुरगावां मुस्तकिल में हेयर कटिंग की दुकान है, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 अप्रैल 2026 की शाम को अंकित यादव पुत्र जयसिंह शराब के नशे में उनकी दुकान पर आया और उनकी मोटरसाइकिल मांगने लगा। मना करने पर वह चला गया। आरोप है कि कुछ देर बाद शाम करीब 7:30 बजे अंकित यादव अपने साथ अजय पुत्र राजवीर यादव, नितिन पुत्र लाखन सिंह और प्रमोद पुत्र पप्पू यादव निवासीगण गुरगावां मुस्तकिल को लेकर दोबारा दुकान पर पहुंचा। सभी ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने हाथों में डंडे लेकर पप्पू सलमानी और उनके भाई अरशान के साथ बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित के अनुसार शोर सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बर्थडे पार्टी में खूनी बवालः

सिर पर धारदार हथियार से हमला, युवक गंभीर घायल

दंगे की चर्चा बनी हिंसा की वजह, तीन आरोपियों पर जानलेवा हमले और धमकी का आरोप

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। थाना किला क्षेत्र में एक बर्थडे पार्टी के दौरान मामूली कहासुनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। जश्ने पैलेस, लीची बाग में आयोजित पार्टी में शामिल युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, नीम वाली मस्जिद निवासी शादाब मियां 22 अप्रैल 2026 की रात करीब 12:30 बजे जश्ने पैलेस में एक बर्थडे पार्टी में शामिल होने गए थे। इसी दौरान शहर में बीती साल हुए दंगों को लेकर वहां मौजूद मुजम्मिल खान से उनकी बहस हो गई। बताया जा रहा है कि शादाब द्वारा पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर मुजम्मिल खान भड़क गया और उसने धारदार हथियार से शादाब के सिर पर जान से मारने की नियत से हमला कर दिया। हमले में शादाब गंभीर रूप से घायल हो गया। साथियों ने भी किया हमला, गालियां और धमकी आरोप है कि मुजम्मिल के साथ मौजूद दो अज्ञात साथियों ने भी शादाब के साथ लात-घूसों से मारपीट की और अभद्र गालियां दीं। मौके पर मौजूद शोएब, विक्की और अन्य ने किसी तरह बीच-बचाव कर घायल को बचाया। हमलावर घटना के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने थाना किला में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शिक्षक समेत महिला की मौत, कई घायल

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। एक हादसे में सरकारी शिक्षक की मौत हो गई, जबकि दूसरे हादसे में कार-बस की भीषण भिड़ंत में एक महिला ने दम तोड़ दिया। दोनों घटनाओं के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

हाईवे पर शिक्षक की मौत, तीन बच्चों के सिर से उठा साया

थाना कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर निवासी दुर्गेश कुमार (45), जो अभयपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय में सरकारी शिक्षक थे, गुरुवार दोपहर ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के भतीजे गौरव यादव के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी नीतू का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि तीन छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है और आरोपी वाहन की तलाश जारी है।

कुदेसिया पुल पर कार-बस भिड़ंत, महिला की मौत

दूसरी घटना थाना भोजीपुरा क्षेत्र के कुदेसिया पुल के पास देर रात हुई। भूड़ा निवासी राजबाला (45) अपने पति राम बहादुर और बच्चों शुभ व रेनू के साथ बदायूं से शादी समारोह से लौट रही थीं। जैसे ही उनकी स्विफ्ट कार पुल के पास पहुंची, सामने से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस से आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजबाला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति और दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

शिक्षक दुर्गेश कुमार अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चे छोड़ गए।राजबाला के परिवार में भी मातम, पीछे पति और दो बच्चे

दोनों हादसों ने परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया

पुलिस कार्रवाई जारी

दोनों मामलों में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। हाईवे हादसे में अज्ञात वाहन की तलाश बस चालक की गिरफ्तारी के लिए दबिश

ट्रक की टक्कर से मजदूर की मौके पर मौत, चालक हिरासत में

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। वुडरो स्कूल के सामने नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान मनीष (35) पुत्र वीरेंद्र मैसी निवासी सुरेश शर्मा नगर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मनीष परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोका-कोला कंपनी में ठेकेदार के माध्यम से काम करता था। शुक्रवार सुबह वह ड्यूटी पर जा रहा था, तभी अचानक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनीष ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चालक हिरासत में, जांच जारी

जानकारी के अनुसार, ट्रक बीसलपुर से चीनी की बोरियां लेकर परसाखेड़ा के एक गोदाम की ओर जा रहा था। पुलिस ने ट्रक चालक गोविंद निवासी नकटिया को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मनीष अपने पीछे 11 साल का एक बेटा छोड़ गया है। इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अब परिवार के सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है।

भीषण गर्मी में बिजली संकट गहराया, कटौती से त्रस्त हुए बरेली के लोग

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। जनपद में इन दिनों बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। भीषण गर्मी के बीच हो रही अघोषित कटौती से आमजन का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग घंटों बिजली गुल रहने की समस्या से जूझ रहे हैं। गुरुवार को भी जिले के कई इलाकों में 6 से 10 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। दिन में तेज धूप और उमस भरी गर्मी के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया, वहीं रात में बिजली कटौती ने लोगों की नींद भी छीन ली। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली काट दी जाती है, जिससे दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। व्यापारियों ने भी इस समस्या पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि लगातार बिजली कटौती के कारण कारोबार पर भी बुरा असर पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और भी खराब बताई जा रही है, जहां 10-12 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रहना आम बात हो गई है। इसको लेकर किसानों ने बताया कि सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बढ़ती मांग और तकनीकी कारणों के चलते यह समस्या उत्पन्न हो रही है। अधिकारियों ने जल्द ही आपूर्ति व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया है। बिजली संकट को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो विरोध प्रदर्शन की चेतावनी भी दी जा रही है। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को भी बरेली के तमाम इलाकों में बिजली कटौती सुबह से ही शुरू हो चुकी है और आने वाली रात भी आमजन के लिए कुछ राहत देती हुई नहीं नजर आ रही है।

किशोर का शव पेड़ से लटका मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। थाना भोजीपुरा क्षेत्र के गांव गौसगंज सराय में 16 वर्षीय भूरा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक के चाचा मासूम अली ने पोस्टमार्टम हाउस पर जानकारी देते हुए बताया कि भूरा गुरुवार दोपहर हाईवे किनारे भूसा बेचने का काम कर रहा था।

बताया गया कि कुछ देर बाद वह दुकान से थोड़ी दूरी पर जंगल की ओर चला गया, जहां उसने कथित तौर पर रस्सी से फांसी लगा ली। जब काफी देर तक वह वापस नहीं लौटा तो परिजन तलाश करते हुए मौके पर पहुंचे, जहां भूरा पेड़ के सहारे रस्सी से लटका मिला।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।वहीं, मृतक के परिजनों ने इस घटना को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि करीब चार महीने पहले पड़ोसियों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसकी रंजिश में भूरा की हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया गया। परिजनों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।मृतक की मां नगीना का पहले ही निधन हो चुका है। भूरा अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए भूसे का काम करता था। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बरेली के जोगी नवादा में टूटी हाईटेंशन लाइन से मचा हड़कंप, बाल-बाल बचे लोग

बिजली विभाग की लापरवाही पर लोगों में आक्रोश व्याप्त

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। महानगर के जोगी नवादा क्षेत्र में बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही आज एक बड़े हादसे का कारण बनते-बनते बची। चावल मंडी इलाके में उस समय हड़कंप मच गया, जब जर्जर 11,000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन अचानक टूटकर चिंगारियां बरसाने लगी। देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं और पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई अचानक हुई तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि वर्षों से जारी विभागीय अनदेखी का नतीजा है। करीब 30 से 35 मकानों की छतों के ऊपर से गुजर रही यह हाईटेंशन लाइन और ट्रांसफार्मर लंबे समय से खतरे की घंटी बने हुए हैं। क्षेत्रवासियों ने कई बार शिकायतें कीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। आज की घटना ने साफ कर दिया है कि विभाग की लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है। वार्ड 33 के पार्षद प्रतिनिधि प्रेम शंकर राठौर ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे अक्षम्य लापरवाही बताया। उन्होंने मांग की कि इस खतरनाक लाइन को तुरंत हटाकर श्री बाबा बनखंडी नाथ मंदिर के पास सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी। घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अब विभाग की चुप्पी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भले ही आज बड़ा हादसा टल गया हो, लेकिन जब तक यह हाईटेंशन लाइन मकानों के ऊपर से हटाई नहीं जाती, तब तक हर परिवार भय के साए में जीने को मजबूर रहेगा।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

दैनिक बुलंद मंजिल

फरीदपुर/ फतेहगंज पूर्वीः टिसुआ रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) व स्थानीय पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

घायल युवक की पहचान उसके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर इन्द्रदेव (30 वर्ष) पुत्र भाला राम, निवासी ग्राम बरकाटन, थाना गारु, जिला लातेहार (झारखंड) के रूप में हुई है। घायल इन्द्रदेव ने बताया कि ट्रेन में अत्यधिक भीड़ होने के कारण वह गेट पर खड़ा था। इसी दौरान उसे चक्कर आया और वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। उसने बताया कि वह त्रिपुरा से सवार होकर रांची जा रहा था।

हादसे में उसका एक पैर टूट गया है तथा चेहरे पर भी गंभीर चोटें आई हैं। जिला अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है रेलवे पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की जांच की जा रही है।

सांसद बरेली माननीय छत्रपाल गंगवार ने किया कैंप का उद्घाटन

हैंडहैल्ड एक्स-रे मशीनों से जगह- जगह जाकर किए जा रहे एक्स-रे

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। जनपद बरेली में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 24 मार्च 2026 से 100 दिवसीय सघन अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसी क्रम में आज सांसद छत्रपाल गंगवार ने शहरी क्षेत्र बिहारीपुर में आयुष्मान शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने एक्स-रे कराने आए सभी लोगों से जनपद में संचालित टीबी कार्यक्रम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें और शिविर में हो रही निःशुल्क एक्स-रे एवं अन्य जांचों का लाभ उठाएं। यदि कोई व्यक्ति टीबी रोगी पाया जाता है, तो उसका उपचार का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि सभी अधिक से अधिक संख्या में आकर जांच कराएं और इस सघन अभियान का हिस्सा बनें। इसकी शुरूआत अपने घर से करें। साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग कराएं, ताकि कोई भी टीबी का मरीज उपचार से वंचित न रहे। आपका सहयोग महत्वपूर्ण है।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. इंतजार हुसैन ने बताया कि 100 दिवसीय जागरुकता अभियान के लिए राज्य स्तर से उच्च जोखिम वाले गांव की सूची निर्धारित कर-के भेजी गई है। वह सूची सभी ब्लॉक को उपलब्ध करा दी गई है। उन ग्राम और शहरी आबादी में संचालित 6 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों के द्वारा गांव-गांव जाकर एक्स-रे किए जा रहे हैं, साथ ही एक्स-रे की रिपोर्ट सही नहीं आने पर उनके बलगम के सैंपल भी जांच के लिए लिए जा रहे हैं । कैंप में टीबी के साथ-साथ अन्य जांच भी की जा रही हैं।

इस जनसंख्या को है अधिक खतरा

60 वर्ष तक के व्यक्तियों, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, शराब का सेवन करने वाले व्यक्ति, शुगर ग्रसित व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, टीबी मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों, पिछले पांच वर्ष में टीबी स्वस्थ हुए टीबी रोगियों, कॉनग्रीगेट साइट, कारागार में निरुद्ध कैदी, वृद्धाश्रम व रैन बसेरों और आवासीय स्कूलों में रहने वाले छात्र-छात्राओं को लक्ष्य मानकर उनकी टीबी की जांच की जाएगी व उनको टीबी के प्रति जागरुक किया जाएगा।

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

- खांसी दो सप्ताह से
- बुखार
- सीने में दर्द
- मुंह से खून आना
- थकान
- सांस लेने में तकलीफ
- गर्दन में गिल्टी, गांठ, बांझपन आदि
- रात में पसीना आना
- वजन कम होना
- भूख न लगना

जोगीठेर के कंपोजिट विद्यालय में टीकाकरण शिविर सम्पन्न, बच्चों को लगे टिटनेस-डिप्थीरिया के टीके

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आज कंपोजिट विद्यालय जोगीठेर में कक्षा 1 औ? कक्षा 5 के विद्यार्थियों के लिए टिटनेस और डिप्थीरिया (टीडी) का टीकाकरण शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से विद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक लाल बहादुर गंगवार ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार के निदेर्शानुसार यह अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों को गंभीर संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित करना है। उन्होंने बताया कि अधिकांश बच्चों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की एएनएम सिमरन ने शिविर को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया। उन्होंने मौजूद बच्चों को सुरक्षित तरीके से टीका लगाया और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी। शिविर के दौरान साफ-सफाई और अन्य सुरक्षा मानकों का भी विशेष ध्यान रखा गया। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक रमेश सागर ने इस मौके पर कहा कि टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण बेहद जरूरी है, और इस तरह के अभियान बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयास से यह टीकाकरण अभियान सफल रहा, जो बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है।

रालोद छात्र संघ के युवा नेता ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामनाएं: इरफान मालिक

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। रालोद छात्र नेता इरफान मलिक ने उत्तर प्रदेश बोर्ड के हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षार्थियों को परिणाम घोषित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है, जिस पर हर छात्र, अभिभावक और शिक्षक को गर्व होना चाहिए।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। इसी संदर्भ में भीमराव अंबेडकर के विचारों को याद करते हुए उन्होंने कहा–ह्यशिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो पियेगा वही दहाड़ेगा।ह्व यह कथन विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे शिक्षा के माध्यम से अपने अंदर आत्मविश्वास, साहस और आगे बढ़ने की शक्ति विकसित करें।

इरफान मलिक ने सफल छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करें और भविष्य में अच्छे अधिकारी बनकर देश और समाज की सेवा करें। साथ ही उन्होंने उन विद्यार्थियों का भी हौसला बढ़ाया जो इस बार सफल नहीं हो पाए। उन्होंने कहा कि असफलता अंत नहीं है, बल्कि एक नई शुरूआत है–और अधिक मेहनत, लगन और जुनून के साथ आगे बढ़कर सफलता जरूर प्राप्त की जा सकती है। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा, मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी हैं।

कोतवाली चंदपा में हिरासत के दौरान युवक की मौत, थाने के शौचालय में फंदे पर लटका मिला शव; इंस्पेक्टर समेत दो निलंबित, मुकदमा दर्ज

-घटना से पुलिस महकमे में मचा हड़कंप! गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र का निवासी था युवक

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जनपद हाथरस के कोतवाली चंदपा क्षेत्र में पुलिस हिरासत के दौरान एक 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक का शव थाने के शौचालय में फंदे पर लटका हुआ पाया गया।

जानकारी के मुताबिक, गाजियाबाद के लोनी निवासी चंद्रपाल (24) पर चंदपा क्षेत्र की एक 16 वर्षीय किशोरी को भगा ले जाने का आरोप था। बताया गया कि किशोरी इंटरनेट मीडिया के माध्यम से युवक के संपर्क में आई थी। मामले में किशोरी के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किशोरी को लोनी से बरामद कर लिया था, जिसके बाद चंद्रपाल को हिरासत में लिया गया था।

पुलिस के अनुसार, घटना वाली रात लगभग 10:30 बजे चंद्रपाल ने शौचालय जाने की बात कही थी। कुछ देर तक बाहर न आने पर पुलिसकर्मी अंदर पहुंचे तो युवक को जंगले से फंदे पर लटका हुआ पाया गया। उसे तत्काल नीचे उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कोतवाली निरीक्षक श्याम सिंह और एक सिपाही लखन सिरोही को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया है। साथ ही दोनों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी सादाबाद अमित पाठक को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर भी तरह-तरह की चचाएं बनी हुई हैं।

हाथरस में आए दिन हत्या और जानलेवा जैसे मामलों की दस्तक, चौथ वसूली और जानलेवा धमकी के आरोपी घूंम रहे बाहर

-आरोपियों का दब-दबा कायम, ऊंची बताई पंहुच

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। उत्तर प्रदेश की हाथरस जिले में आए दिन हत्याकांड व जानलेवा हमले के मामले सामने आ रहे हैं। कई वार दातों को अंजाम दिया गया। हालांकि पुलिस ने प्रकरणों को काबू में पाया है। अपराधियों के हाफ एनकाउंटर किए गए। तो कुछ लोगों को जेल भेजा गया। कुछ अपराधियों को मुकदमा की धाराओं में लपेटा गया है। लेकिन बार दाते कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। ऐसा ही एक मामला थाना हाथरस गेट क्षेत्र मैं उद्यमी महिला के साथ देखने को मिला। जो महिला विधवा और दिव्यांग है। उनकी फैक्ट्री में कुछ नामजद लोग हथियार अंदर गए थे। जहां पर चौथ वसूली मांगी गई और न देने पर जान से करने की धमकी दी गई। घटना 8 अप्रैल की है। निवेदिता मोहता का कहना है कि ऐसे अपराधी किसी भी समय बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं, लेकिन पुलिस इस मामले में ढीला रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगी और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग की है। गौरतलब है कि यह मामला हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र का है, जहां 8 अप्रैल को श्री मोहता आयुर्वेद भवन की फैक्ट्री में चार लोगों द्वारा कथित रूप से घुसकर पांच लाख रुपये की चौथ वसूली और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया था।

शिकायत के अनुसार, आरोपियों में हर्ष शर्मा शामिल है, जो पहले कंपनी में एमआर के रूप में कार्यरत था। वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ फैक्ट्री में पहुंचा और कथित रूप से रुपये की मांग की। विरोध करने पर निवेदिता मोहता और उनके पुत्र राजवंस मोहता को जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि निवेदिता मोहता 21 अप्रैल को डीआईजी से मिली थी। जिसमें एडीशनल एसपी को जांच सौंपी है।

यूपी बोर्ड 2026: श्री आरके त्यागी इंटर कॉलेज की बेटियों का जलवा, अंशिका ब्लॉक टॉपर, कुमकुम द्वितीय स्थान पर

सहपऊ ब्लॉक में छात्राओं का दबदबा, अंशिका-कुमकुम ने बढ़ाया मान

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सहपऊ उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित हाईस्कूल परीक्षा परिणामों में सहपऊ क्षेत्र के गाँव बासवित्ता स्थित श्री आर. के. त्यागी इंटर कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। विद्यालय की छात्राओं ने न केवल ब्लॉक स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किए, बल्कि जनपद की मेरिट सूची में भी जगह बनाकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

23 अप्रैल को घोषित परीक्षा परिणाम में विद्यालय की छात्रा अंशिका यादव (पुत्री श्री मानपाल सिंह) ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सहपऊ ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कुमकुम यादव (पुत्री श्री विजयपाल सिंह) ने 89 प्रतिशत अंकों के साथ ब्लॉक में द्वितीय स्थान हासिल किया। खास बात यह रही कि अंशिका ने जनपद हाथरस की मेरिट सूची में 12वां और कुमकुम ने 15वां स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय का कुल परीक्षाफल भी अत्यंत सराहनीय रहा। अन्य विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इनमें मनीष कुमार (85%), मुस्कान (84%), काजल (83%), काजल (83%), वंदना (79%), अनुष्का (78%), दिव्या (77%) और रोहित चौधरी (74%) शामिल रहे।

छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रधानाचार्य ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीण क्षेत्र के इस विद्यालय से निकली इन प्रतिभाओं की सफलता पर बासवित्ता गाँव सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया।

वीडियो: हाथरस में भरे बाजार में बाइक सवार युवक पर जानलेवा हमला, लाठी-डंडों और सरियों से जमकर पिटाई

-वीडियो सोशल-मीडिया पर वायरल, पुलिस जांच में जुटी! सदर कोतवाली क्षेत्र के सादाबाद गेट के पास की घटना

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। जनपद में एक बार फिर खुलेआम गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के सादाबाद गेट स्थित अरोड़ा मोबाइल शॉप के पास बाइक सवार युवक और उसके साथी पर नामजद युवकों ने भरे बाजार में जानलेवा हमला कर दिया। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। जानकारी के अनुसार, आवास विकास कॉलोनी निवासी पीड़ित अभी कुमार चौधरी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने साथी के साथ जिम से लौटकर घर जा रहा था, तभी मौहल्ला कर्र के कुछ नामजद युवकों ने उन्हें रोक लिया और अचानक हमला कर दिया।

आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों, बेल्ट, लात-घूंसों और सरियों से दोनों युवकों पर बेरहमी से हमला किया। इस दौरान आरोपियों ने उन्हें भरे बाजार में फिल्मी स्टाइल में दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई और राहगीर दहशत में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना करीब 23 जनवरी की शाम लगभग 7 बजे की है, जब बाजार में काफी भीड़ मौजूद थी। अचानक हुई इस वारदात से लोग अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागते नजर आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। स्थानीय लोगों में रोष है और उन्होंने क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई है।

पीड़ित पक्ष ने नामजद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने पुलिस की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे आमजन में असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है।

हाथरस में 0 से पांच वर्ष के गूंगे-बहरे बच्चों के लिए निःशुल्क कोक्लियर इम्प्लांट योजना, बच्चों की जिंदगी में लौटेगी आवाज

-स्वास्थ्य विभाग हाथरस और मेहरोत्रा ईएनटी हॉस्पिटल, कानपुर के संयुक्त प्रयास से गंभीर श्रवण बाधित बच्चों को मिलेगा मुफ्त उपचार, परिवारों में जगी नई उम्मीद

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। स्वास्थ्य विभाग जनपद हाथरस एवं मेहरोत्रा ईएनटी हॉस्पिटल, कानपुर के संयुक्त सहयोग से 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के गूंगे-बहरे (श्रवण बाधित) बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों का निःशुल्क कोक्लियर इम्प्लांट ऑपरेशन किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, जिस सर्जरी की बाजार में लागत लगभग 4 से 5 लाख रुपये होती है, उसे अब योग्य बच्चों को पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य छोटे बच्चों में श्रवण क्षमता विकसित कर उन्हें सामान्य जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर कोक्लियर इम्प्लांट कराने से बच्चे ध्वनि सुनने और बोलने की क्षमता विकसित कर सकते हैं, जिससे उनके भविष्य में शिक्षा और सामाजिक विकास के अवसर बढ़ जाते हैं।

इस योजना का लाभ लेने के लिए अभिभावकों को अपने नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढलउ), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उलउ) या जिला चिकित्सालय में संपर्क करने की सलाह दी गई है। वहां पर आवश्यक स्क्रीनिंग और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (फ्हरङ) के अंतर्गत चल रही इस पहल को जिले में विशेष रूप से सराहा जा रहा है। संबंधित अधिकारियों का मानना है कि यह कदम कई बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा और उन्हें सुनने व बोलने की क्षमता प्रदान कर सकेगा। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि इस जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाएं, ताकि पात्र बच्चों को समय पर उपचार मिल सके।

परीक्षा परिणाम घोषित, उत्तीर्ण छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मिलकर जताई खुशी

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में राया क्षेत्र के प्रेमलता गर्ल्स, राष्ट्रीय इंटर कालेज सहित तमाम विद्यालयों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही उत्तीर्ण छात्राओं, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। जिसमे राया के प्रेमलता गर्ल्स इंटर कालेज की छात्रा दीक्षा अग्रवाल ने माथुरा जनपद में टॉप 10 स्थान हासिल कर राया एवं विद्यालय का नाम रोशन किया वही अन्य छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का कुशल प्रदर्शन कर में विद्यालय का मान बढ़ाया हैं शुक्रवार को विद्यालय पहुँची उत्तीर्ण छात्राओं को विद्यालय परिसर में छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई।वही विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने छात्राओं को शुभकामनायें दी इस दौरान विद्यालय प्रधानाचार्याँ श्रीमती राजवती शर्मा ने कहा विद्यालय की छात्राओं ने अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया हमें गर्व हैं हमारे विद्यालय की छात्राये हमारा गौरव बढ़ा रही हैं इस अवसर पर प्रधानाचार्या राजवती शर्मा के साथ विद्यालय प्रबंधक जगदीश प्रसाद अग्रवालने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करतव हुए उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा ऐसे ही छात्राये विद्यालय का नाम रोशन करें खूब पढ़े खूब बढ़े इस दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का यह परिणाम है। विद्यालय स्टाफ ने सफल छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और शिक्षा के माध्यम से नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। परीक्षा परिणाम से छात्राओं अभिभावकों में भी खुशी-

शादी से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा कोहराम, गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

बुलंद मंजिल / इकलाख कुरैशी

मथुरा / राया। थाना क्षेत्र में देर रात हुए सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने घर का इकलौता सहारा बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार राया के गांव खिरारी निवासी अभिषेक (22) बीती रात एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। देर रात वह बाइक से घर वापस लौट रहा था। तभी रास्ते में तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि अभिषेक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोपहर में शव घर पहुंचते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

बताया गया है कि अभिषेक माता-पिता का इकलौता पुत्र था। कुछ समय पूर्व उसके पिता पप्पू का निधन हो चुका था, जिसके बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसी के कंधों पर आ गई थी। मृतक आश्रित कोटे से उसे श्री गांधी इंटर कॉलेज में चतुर्थ श्रेणी पद पर नौकरी मिली थी।

अभिषेक अपनी मां के साथ-साथ पूरे परिवार का आर्थिक सहारा था। उसकी असमय मौत से परिवार की अंतिम उम्मीद भी टूट गई है।श्री गाँधी इंटर कालेज के प्रबंधक सुरेन्द्र सिंह, हरदम सिंह ने कालेज कर्मी की असमय निधन पर शोक सबेदना व्यक्त की

Pakistan: Sindh Crime Conundrum

Tushar Ranjan Mohanty
Research Associate, Institute for Conflict Management

On April 17, 2026, a Policeman, identified as Constable Khadim Ali Shah, was killed and another Constable, identified as Mohammed Tufail Khan, was injured in an attack by armed assailants in Manghopir area of Orangi Town in Karachi, the provincial capital of Sindh. Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) claimed responsibility of the attack.

On April 17, 2026, Security Forces (SFs) arrested three TTP terrorists during a joint operation in the Lyari town of Karachi. Arms and ammunition, including a 30-bore pistol and 18 rounds, were recovered from their possession. During initial interrogation, the terrorists reportedly made key disclosures, revealing plans to carry out a major attack in Karachi.

On April 10, 2026, a worshipper, Rehan, son of Gulam Nabi, was shot dead by unidentified assailants outside a mosque in Sector 5C-1 within the limits of the Khawaja Ajmer Nagri Police Station in Karachi.

The incident occurred when armed motorcyclists opened fire on Rehan at the entrance of the Farooq-e-Azam Masjid, shortly after Fajr prayers.

On April 10, 2026, in a joint operation with a Federal Intelligence Agency (FIA), the Counter-Terrorism Department (CTD) arrested a target killer linked to the banned Shia outfit, Zainabiyoun Brigade, near University Road in Karachi. According to a statement issued by CTD, "During the operation, the team arrested target killer Muhammad Farhan Khan, son of Muhammad Ismail, and recovered a 9mm pistol along with a loaded magazine containing eight bullets. The pistol was used in the 2023 targeted killing He has been involved in multiple sectarian and religious terrorist activities in the past."

According to partial data compiled by the South Asia Terrorism Portal (SATP), 10 terrorism-related fatalities, including eight terrorists, one civilian and one SF personnel, have been reported in the current year in Sindh, thus far (data till April 19, 2026). During the corresponding period of 2025, the province recorded 12 fatalities (seven SF personnel, five civilians and one terrorist). Meanwhile, during the whole of 2025, Sindh recorded 49 terrorism-linked fatalities (26 civilians, 16 SF personnel and seven militants), as compared to 38 fatalities (15 civilians, 14 SF personnel and nine militants) in 2024, an increase of 28.94 per cent.

Civilian fatalities jumped from 15 in 2024 to 26 in 2025, an increase of 73.33 percent. Similarly, SF fatalities increased from 14 in 2024 to 16 in 2025. Meanwhile, terrorist fatalities decreased from nine in 2024 to seven in 2025.

Other parameters of terrorism also increased in the province in comparison to the previous year. There were five major incidents (each involving at least three fatalities) in 2025, as compared to four in 2024 Similarly, the resultant deaths from major incidents increased from 13 in 2024 to 19 in 2025. The prominent major attack of 2025 happened on August 26, when TTP terrorists opened fire near the Faqira Goth area on the Site Super Highway in Karachi, killing four people and injuring one. TTP released a statement claiming responsibility for the attack.

There was also an increasing in incidents of explosion in Sindh. There were 14 such incidents in 2024, resulting in 14 fatalities, as compared to nine in 2024, resulting in 10 fatalities.

Meanwhile, out of 30 Districts in Sindh, the provincial capital, Karachi, remained the epicentre of terrorism. Out of 49 fatalities reported in the Province in 2025, Karachi alone recorded 31. The remaining 18 fatalities were reported from Kashmore District (8), Ghotki District (6), Naushahro Feroze District (2), Larkana District (1) and Badin District (1). During 2024, of 38 fatalities reported in the Province, Karachi alone recorded 27. The remaining 11 fatalities were reported from Ghotki (5), Kashmore (2), Shikarpur (2), Jacobabad (1) and Jamshoro (1).

Apart from Islamist terrorist groups, including TTP, and Baloch separatist groups, Sindhi separatist formations such as the Sindhudesh Revolutionary Army (SRA) and Sindhudesh Liberation Army (SLA), remained violently active in the region. In coordination with the Baloch separatist groups, the Sindhi outfits have been teaming up to counter Punjabi hegemony in the region. A March 2, 2025, media report noted that SRA had joined the Baloch Raji Aajoi Sangar (BRAS), an alliance of "pro-independence" insurgent groups of Balochistan, to intensify operations against Pakistan and China. In a statement,BRAS 'spokesperson' Baloch Khan disclosed that a high-level meeting was held with senior delegates from BLA, Balochistan Liberation Front (BLF), Baloch Republican Guards (BRG), and SRA.

The result of this alliance was reflected in the attack on March 4, 2025, when SRA cadres ambushed National Logistics Cell (NLC) vehicles on the Sujawal-Mirpur Bathoro Road in the Sujawal District (previously in Thatta District) of Sindh, inflicting injuries on two drivers. In a statement shared with local media, SRA 'spokesperson' Sodho Sindhi claimed that the drivers were severely injured and the vehicles were damaged. Sodho Sindhi accused the Pakistani state of "occupying Sindh" and exploiting its resources "without restraint." He alleged that Sindh's land and resources belonged to future generations of the Sindhi people and would be defended "at all costs... we will continue our resistance until the complete national independence of Sindh is achieved." Significantly, SRA attacked the NLC vehicles on March 4, just two days after the high-level meeting of BRAS on March 2. The modus operandi of the attack by SRA also followed the pattern of Baloch insurgent attacks.

Earlier, on February 15, 2025, SRA cares attacked NCtankers near the Mirpur Mathelo area of Ghotki District. SRA 'spokesperson' Sodho Sindhi stated that the attack was a response to what he described as the Pakistani state's exploitation of Sindh's resources: "The state diverts water from the Indus River through six canals, economically devastating and systematically oppressing the Sindhi nation." He further alleged that under the "Green Pakistan Initiative," the Pakistani military was occupying hundreds of thousands of acres of land in Sindh.

> The incident occurred when armed motorcyclists opened fire on Rehan at the entrance of the Farooq-e-Azam Masjid, shortly after Fajr prayers.

Other attacks by Sindhi separatists against State institutions also reflect their grievances. On April 22, 2025, SRA cadres attacked a passenger train bound for Punjab near Guddu Chowk in the Hussainabad area of Hyderabad District. While claiming responsibility for the attack, SRA 'spokesperson' Sudho Sindhi declared that the attack targeted Punjabi settlers, several of whom were reportedly injured. SRA added that the operation was carried out in protest against the "continued colonial exploitation of Sindh by the Pakistani state and military." The group alleged that the state sought to seize full control of the Indus River, which it described as the "lifeline and national identity" of the Sindhi people, with the goal of permanently disempowering Sindh. It vowed to continue its armed struggle to defend Sindhi rights and territory.

Further on June 4, 2025, SRA cadres launched a hand grenade attack on the Naseem Nagar Police Station in Hyderabad city (Hyderabad District) in the night. While claiming responsibility, SRA 'spokesperson' Sodho Sindhi alleged that the Pakistani "Punjabi state" had devised a plan for the complete occupation of Sindh's land, natural resources, and the Indus River, and that the Sindh Police were playing a key role in executing this plan, facilitating what he described as a campaign of "genocide against the Sindhi nation. Sodho Sindhi alleged that the Sindh Police had been at the forefront of suppressing Sindh's national political protest movements and specifically pointed to the Hyderabad Police, particularly the Naseem Nagar Police Station, accusing them of violently dispersing national protests and sit-ins at the Vadhu Wah Bypass.

While State authorities have been busy suppressing the voice of Sindhi nationalists, criminals run rampage in the province, especially in Karachi. Street crime remained a major headache for the security establishment, with Karachi experiencing a troubling wave during the first three months of 2026, with over 14,000 incidents reported across the city. According to the latest data from the Citizens-Police Liaison Committee (CLC) released on April 9, the surge was marked by thousands of vehicle thefts and dozens of fatalities during robbery resistance. The fatality rate remains high, with nearly 134 people killed in the first three months alone, while resisting muggings. CLC data revealed that, in January 2026, 3,509 motorcycles were stolen/snatched; 1,441 mobile phones were snatched; 156 cars stolen/snatched; and 50 people were killed during robbery. In February, 3,178 motorcycles were stolen/snatched; 1,237 mobile phones were stolen/snatched; 165 cars stolen/snatched; and 40 people were killed during robbery. In March, 3,467 motorcycles were stolen/snatched; 1,265 mobile phones were stolen/snatched; 157 cars were stolen/snatched; and 44 people were killed during robbery.

During the corresponding three months of 2025, Karachi had reported 16,977 street crime incidents.

The CPLC report said the crimes included mobile phone snatching, motorcycle theft, and carjacking with 4,298 mobile phones, 11,982 motorcycles, and 537 cars stolen or robbed between January 1 and March 31. Other notable crimes reported in the city included four kidnappings and 24 extortion incidents in just one month. The CLC report also mentioned the tragic consequences of these cries, with 132 people losing their lives in various incidents, including 26 deaths during resistance to robbery.Noting the comparative decrease between the corresponding periods of 2025 and 2026, Inspector General of Sindh Police (IGP Sindh) Javed Alam Odho claimed, on April 11, that crime rate across Sindh, including Karachi, had diminished remarkably over the corresponding three months: "The overall law and order situation across Sindh is better than it had been in the near past. In Karachi also, all types of crime, including street crime, have decreased by 18pc over the last three months, while crime rate along highways and the interior Sindh districts is also showing a decline."

Despite Police claims of an overall decline in crime, street criminals continued to pose a serious threat to residents of Karachi throughout 2025, with more than 64,000 street crime cases recorded and over 70 people killed in such incidents. Sindh Police official data, based on registered FIRs, showed that a total of 64,323 incidents of street crime, including robbery, mobile phone snatching, and vehicle snatching or theft, were reported during 2025. However, the actual number is believed to be significantly higher, as many victims either do not approach Police Stations or are discouraged from registering cases. A comparison of police-maintained crime statistics shows a reduction from 71,105 street crime incidents in 2024 to 64,323 in 2025, marking a drop of 6,782 cases.

Fatalities linked to street crimes also declined, with 70 people killed and 290 injured till the first week of December 2025, compared to 99 deaths and 400 injuries reported in 2024. Police figures further indicate that 17,706 mobile phones were snatched at gunpoint in 2025, down from 19,353 cases in the previous year. During the same period, 6,683 vehicles, including 302 cars ana 6,381 motorcycles, were hijacked, compared to 8,370 vehicles in 2024. In addition, 39,934 vehicles were reported stolen in 2025, compared to 43,382 thefts in the previous year.

Quoting Criminologist Zoha Waseem of the University of Warwick, Dawn reported on January 1, 2026, that comparing data from just two years does not provide a reliable measure of crime control, arguing that at least five to 10 years of data were required to determine whether crimes are genuinely being prevented or if only a perception of safety has been created. She added that many incidents go unreported as people remain reluctant to approach the Police. "There has been no research that public perception has been improved and people feel safer and the city is safe," she observed, "There is no study or survey that people's perception has improved and the people are happy about performance of the Police or the Government. I have not seen such a thing and am not sure about the extent of achievement of the law enforcers."Although terrorism in Sindh has been contained to a certain extent, the persistently high crime rate - especially in the provincial capital, Karachi - remains a significant challenge for the state establishment, underscoring the need for sustained and comprehensive law enforcement measures.

Late-night Snacking Bad for Your Gut Health

Chronic stress can disrupt bowel functions and now, a new report on Thursday suggested that eating late at night amplifies these effects, with implications for both digestive health and the gut microbiome.

Researchers analysed data from more than 11,000 participants in the National Health and Nutrition Examination Survey in the US to examine links between chronic stress, late-night eating, and bowel dysfunction.

Individuals with a high allostatic load score — the cumulative physiological stress as reflected in body mass index (BMI), cholesterol level, and blood pressure — who also reported eating more than 25% of daily calories after 9 p.m. were 1.7 times more likely to experience constipation and diarrhoea than those with lower scores who did not eat late at night.

Similarly, data from more than 4,000 participants in the American Gut Project found that people with both high stress levels and late-night eating habits were 2.5 times more likely to report bowel problems.

These individuals had significantly lower gut microbiome diversity, suggesting that meal timing might magnify the impact of stress on the microbiome via the gut-brain axis — the two-way communication system involving nerves, hormones and gut bacteria.The findings highlight associations rather than cause-and-effect.

Further research is needed to better understand how stress, eating patterns and gut health are connected.

Dr Dadigiri is sympathetic to those who reach for late-night snacks after long, demanding days, and as a medical resident, she counts herself among them.

Undercounting of Stillbirths in India

Susan Chacko

An analysis of National Family Health Survey (NFHS) data reveals a significant undercounting of stillbirths in India. The data suggests that this issue is particularly prevalent for stillbirths occurring before 28 weeks of gestation.

Stillbirths occurring before 28 weeks of gestation are not captured in routine surveys, contributing to systematic underestimation and missed opportunities for targeted interventions, the study said.

The World Health Organization (WHO) definition for international reporting of stillbirths is foetal death at more than or equal to 28 completed weeks' gestation or a birth weight greater than or equal to 1,000 g if gestational age is unknown.The study used 3 rounds of NFHS data (2005-06, 2015-16 and 2019-21) for burden, trend analysis of stillbirths. Data from 2019-21 was used for risk factor assessment. The researchers calculated the stillbirth rate (SBR) at more than equal to 28, 24 and 20 weeks of gestation.The researchers from Mahidol University in Thailand reported that approximately 40 per cent of total stillbirths occur between more than equal to 20 weeks and less than equal to 28 weeks of gestation. This means that by considering only stillbirths occurring at more than equal to 28 weeks of gestation (in line with global standard for comparison), approximately two-fifths of total stillbirths are being excluded.

> The study used 3 rounds of NFHS data (2005-06, 2015-16 and 2019-21) for burden, trend analysis of stillbirths. Data from 2019-21 was used for risk factor assessment. The researchers calculated the stillbirth rate (SBR) at more than equal to 28, 24 and 20 weeks of gestation.

Analysis of 542,359 women from three survey rounds showed SBR of 12.8, 16.2, and 22 per 1,000 total births at more than or equal to 28, 24, and 20 weeks of gestation, respectively.Trend analysis revealed that the SBR during 2019-21 was 11.7 per 1,000 total births at more than equal to 28 weeks' gestation, compared to 12.4 and 19.4 per 1,000 in 2005-06 and 2015-16, respectively.Additionally, it was observed that approximately 40 per cent (42.5 per cent during 2019-21, 42.4 per cent during 2015-16 and 41.3 per cent during 2005-06) of all stillbirths in India are between 20 and 28 weeks of gestation.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Glamour
संभल
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

SUSSANNE KHAN POWERS THROUGH INTENSE PILATES AT 50, PROVES FITNESS HAS NO AGE LIMIT

Interior designer and entrepreneur Sussanne Khan, also known as Bollywood superstar Hrithik Roshan's ex-wife, on Thursday morning, gave a sneak peek into her fitness routine.

She shared a video montage from her Pilates session on her social media account.

In the video, Sussanne is seen performing a series of Pilates exercises on a reformer machine, further showcasing strength, flexibility, and balance.

She is seen dressed in a sleek black sports bra paired with light grey leggings, and workout gloves.

She captioned the post as, “Slow and steady wins the race... reach out touch faith #sussannekhan #pilates”

Sussanne Khan has often spoken about the importance of fitness and mental well-being and also shares her fitness videos on her social media account.

Sussanne is a mother to two sons, Hrehaan Roshan and Hridhaan Roshan, whom she shares with actor and ex husband Hrithik Roshan.

Though the couple have parted ways legally, they continue to maintain a friendly relationship and are often seen co-parenting their children together.

Both Hrithik and Sussanne have now found love and have moved on in life. Hrithik is dating actress Saba Azad and Sussanne is dating Arslan Goni.

Sussanne who lost her mother Zarine Khan on November last year, was extremely disturbed and has been grieving the loss.

She shares many posts on her social media account wherein she talks about the legacy her mother left behind in the form of love and relations.

Zarine Khan passed away on November 8 reportedly due to age related complications.

Sussanne had shared a video on her social media account, a few days ago wherein she was seen hugging her mother.

The picture was from her childhood days. Sussanne is the daughter of veteran actor Sanjay Khan, and is the sister of actor Zayed Khan.

She also has two sisters Farah Khan Ali and Simone Arora.

Parineeti Chopra believes in being kind to yourself: *Stop stressing over little things*

Actress Parineeti Chopra's latest social media post is all about self-love, and doing that makes you happy from within. Taking to the Stories section of her official Instagram handle, the 'Chamkila' actress advised all to be kind to themselves and stop stressing over little things.

Parineeti stressed the importance of cherishing the little pleasures of life in the post that read, "Stop stressing over little things. Be kind to your body- move it, nourish it, stop criticizing it. One day you'll wish you had appreciated it. Go outside. Look at the sky. Feel the sun. Just be. (sic)"

The 'Kesari' actress also said that it is crucial to express themselves and tell their loved ones how they feel.

"Spend less time chasing “stuff” - more time making memories. Don't skip moments with people you love. Laugh more. Write a note. Tell someone you love them. Complain less. Give more. Helping others brings more joy than anything you can buy. Be present. Put your phone down. Show up - really show up," added Parineeti.

She further pointed out how much joy simply being there for someone can bring.

Parineeti said that while it is not important to have each and every aspect of your life figured out, what matters is to do the things that bring you joy and refrain from the actions that leave you drained.

"Laugh more. Write a note. Tell someone you love them. Complain less. Give more. Helping others

brings more joy than anything you can buy. Be present. Put your phone down. Show up – really show up. You don't need to have it all figured out. You don't need a perfect body, or a perfect life. Just follow what makes your heart light up. Say no to what drains you. Make changes when you need to," concluded the post.

Twinkle Khanna jokes

Akshay Kumar's only writing advice is “mat kar”

Author Twinkle Khanna has revealed that superstar husband Akshay Kumar's “only contribution” to her writing career is saying “mat kar”.

Talking about whether she receives any suggestions from Akshay Kumar, Twinkle said in a statement: "This morning, I was discussing the topics I plan to touch upon in my next column, and he told me, 'Mat karna...do not get into that issue'. Mat kar is basically his only and biggest contribution to my writing career.”

Twinkle, who has authored Mrs Funnybones, Mrs Funnybones Returns, The Legend of Lakshmi Prasad, Pyjamas Are Forgiving and Welcome to Paradise, on World Book Day on Thursday, gave a peek nto her lens through which she views the world.

"My job is to make people reflect on the things that are visible. But our own conditioning blinds us to those factors. It might make people uncomfortable and they might call it offensive... (But) I think about how I will unravel the layers of conditioning not just around them but also around me because I also find my way through life as I write."

For her, what stands out is what she has contributed to the spaces.

"It is what I was able to give that medium, and books have always been my life and actually so has cinema. So much of what I write has been because of the experiences that I also had as a young actor, whether it was seeing the basic inequalities between men and women. which I only realised much later in life."

Twinkle feels her skill set aligned more with the world of books because she loves poetry and language.

"It comes a little bit from perhaps, my father (late veteran actor Rajesh Khanna), because I have a distinct memory when I was very young and I said, 'Will you pick me up from school? And he said, "Are you a pickup? I will fetch you from school.”

“That kind of just set my parameters of what language can do. And I grew u grew up in a family of readers. My sister (Rinkle Khanna) reads more than I do."

She shared that her 20-year-old self was reading much more than what she reads now.

If she could meet the 20-year-old Twinkle Khanna now, she'd say, "Just keep doing what you're doing and finish the book you started when you were 18. I'm 52, and that one book I haven't been able to finish yet.”

"I've tried three times in my life. I'm just unable to write that particular book. Maybe it's too close to home, so my emotions get in the way of transferring that onto the page.”

Kajol slams 'act like an adult' advice, calls it terrible

Bollywood star Kajol took to her social media account to express that she ‘hates’ when somebody asks to “act like an adult.” Taking to her social media account, Kajol dropped a carousel of pictures from a recent photoshoot, followed by a caption reflecting her quintessential wit and humour.

“I hate it when people say “act like an adult”. Have u seen the adults lately??? That's terrible advice ! #wednesdaywisdom (sic) ,” she wrote.

In the pictures, Kajol is seen posing in an elegant deep maroon saree with intricate golden embroidery and looking gorgeous.

The actress, along with her pictures, always shares funny and witty captions alongside.

The actress had earlier taken to her social media account, to post a cheeky “mantra” for those who find it hard to accept a few extra kilos.

Sharing a witty message, Kajol had written, “When ur weighing scale tells u that u have put on weight but can't see it always assume it's gone to ur head and u have just become smarter ! #namaste. Follow me for more hidden gems. (sic)”

In a similar post highlighting the actress' class sense of humour, Kajol had revealed how most of her life is a compilation of random moments turned into a shot.

Samir Soni recalls chilly ‘Vivah’ shoot with Shahid Kapoor, Amrita Rao at waterfall

Actor Samir Soni recently took a nostalgic trip down memory lane as he recalled a shooting scene from the movie Vivah, starring Shahid Kapoor and Amrita Rao.

The actor reshared a throwback still from the movie, and recalled the challenging conditions during its shoot. The picture was originally shared by actress Lataa Saberwal, who essayed the role of Shahid Kapoor's sister-in-law in the film.

She posted a still featuring herself and Samir Soni and captioned it, “Found a lovely memory from movie VIVAH!” and tagged him too.

Reposting the picture on his own social media, Samir added a candid note about the shoot, writing and recalled how they shot under challenging conditions.

“I remember @shahidkapoor @amrita_rao_insta and us shooting a song all day while shivering in the

Lonavla winter waterfall,” ge wrote.

Samir's caption highlighted how the cast, including Shahid Kapoor, Amrita Rao, endured freezing conditions while filming the particular sequence right under the waterfall during winters. He mentioned that Shahid, Amrita, Lataa and himself were shivering all day post the sequence.

The still shared by Samir and Lataa captures a romantic moment between them, smiling amid a cascading waterfall.

The scene is from the movie's picnic sequence, where Prem essayed by Shahid Kapoor, and Poonam essayed by Amrita Rao, and their families spend time together before their wedding, getting to know each other better.

Directed by Sooraj Barjatya, Vivah released in 2006 and featured a strong ensemble cast including Anupam Kher, Alok Nath, Seema Biswas, and Samir Soni alongside its lead pair Shahid Kapoor and Amrita Rao.

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्गन-मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता - स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्नशिप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण - स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी - स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।